संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 54 बुधवार 25 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

## मान्यताओं का उल्लंघन मामले में फंसे ओवैसी

**बरेली,24 दिसम्बर 2024(ए)।** ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी को संसद में फिलिस्तीन का नारा लगाने को संविधान के खिलाफ बताने वाली याचिका पर यूपी की एक कोर्ट ने उन्हें नोटिस जारी किया है. बरेली की अदालत ने ओवैसी को 7 जनवरी को कोर्ट में पेश होने को कहा है।

## दो पक्षों के बीच विवाद

» किसने लहराई तलवार ?

» पुलिस ने संभाला मोर्चा

**भोपाल,24 दिसम्बर 2024(ए)।** मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मंगलवार दोपहर दो पक्षों के बीच लाठी-डंडे और तलवारें चल गईं। जमकर पत्थरबाजी भी हुई. इस पूरे उपद्रव में 6 लोग घायल हो गए। घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है. माहौल को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस के मुताबिक, शहर के जहांगीराबाद इलाके में दो दिन पहले सिखों के एक गुट और धर्म विशेष के युवकों के बीच मारपीट का मामला सामने आया था। उसके बाद विवाद की स्थिति बनी। पथराव की खबर लगते ही पुलिस के आला अफसर मौके पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल को छावनी में तब्दील किया गया।

# कांग्रेस की शिकायत पर चुनाव आयोग ने दिया जबाब

» आपकी शिकायत गलत और भ्रामक,चुनाव आयोग का कांग्रेस को जवाब,कहा-50 नहीं सिर्फ 6 सीटों पर... बढ़े 50 हजार मतदाता

» कांग्रेस के आरोपों पर चुनाव आयोग का जवाब

» नियम आधारित प्रक्रिया का किया गया पालन

» नाम हटाने में कोई अनियमितता नहीं की गई

**नई दिल्ली,24 दिसम्बर 2024(ए)।** महाराष्ट्र चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस ने चुनाव आयोग और पूरी चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि मनमाने तरीके से लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। अब मंगलवार को भारत निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस के सवालों का जवाब दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि महाराष्ट्र में मनमाने तरीके से मतदाताओं के नाम न ही जोड़े गए और न ही हटाए गए हैं।
कांग्रेस को दिए जवाब में चुनाव आयोग ने कहा कि शाम पांच बजे के मतदान आंकड़ों की तुलना अंतिम मतदान आंकड़ों से करना ठीक नहीं है। शाम 5 बजे से रात 11ः45 बजे तक मतदान में वृद्धि सामान्य बात है, यह मतदान डाटा को जुटाने की प्रक्रिया का हिस्सा है।

### मतदान प्रतिशत में बदलाव करना असंभव

चुनाव आयोग ने जोर देकर कहा कि वास्तविक मतदान प्रतिशत में बदलाव करना असंभव है। इस वजह यह है कि मतदान का विवरण देने वाला वैधानिक फॉर्म 17सी पोलिंग बूथ पर मतदान खत्म होने के दौरान प्रत्याशियों के अधिकृत एजेंटों के पास उपलब्ध रहता है।
चुनाव आयोग ने कहा कि फॉर्म 17 किसी भी मतदान केंद्र पर डाले गए कुल मतों का वैधानिक स्रोत है। इसमें संशोधन नहीं किया जा सकता है। आयोग ने यह भी बताया कि मतदान केंद्र बंद होने से पहले इसे उम्मीदवारों को उपलब्ध कराया जाता है।

### सिर्फ 6 विधानसभा सीटों पर बढ़े 50 हजार से अधिक मतदाता

चुनाव आयोग ने कांग्रेस को ठोस तथ्यों के साथ जवाब दिया। आयोग ने कहा कि जुलाई से नवंबर 2024 के बीच 50 विधानसभा क्षेत्रों में औसतन 50,000 मतदाताओं को जोड़ने की उसकी शिकायत तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक है। इसमें यह दावा किया गया था कि इनमें से 47 सीटों पर महायुति ने जीत दर्ज की है। जबकि आयोग ने कहा कि केवल छह विधानसभा क्षेत्रों में 50,000 से अधिक मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। इसलिए इस आधार पर 47 विधानसभा क्षेत्रों में जीतने का सवाल ही नहीं उठता।

### वेबसाइट पर मौजूद है पूरा डेटा

चुनाव आयोग ने कांग्रेस को जानकारी दी है कि महाराष्ट्र के हर विधानसभा सीट के मतदाताओं से जुड़ा पूरा डेटा और फॉर्म 20 महाराष्ट्र चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। वहां से इसे डाउनलोड किया जा सकता है।

### पारदर्शिता के साथ तैयार हुई मतदाता सूची

चुनाव आयोग ने कहा कि महाराष्ट्र में मतदाता सूची तैयार करने में पारदर्शिता के साथ-साथ पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया। मतदाताओं के नाम हटाने में कोई अनियमितता नहीं की गई। आयोग ने कांग्रेस को बताया कि मतदाता सूची तैयार करने में कांग्रेस प्रतिनिधियों की भागीदारी समेत उचित प्रक्रिया का पालन किया गया है।

# नहीं मानेंगे केंद्र की नो डिटेंशन पॉलिसी

» लागू रखेंगे अपना शिक्षा मॉडल

» किस राज्य में हो रहा विरोध

**नई दिल्ली/चेन्नई,24 दिसम्बर 2024 (ए)।** केंद्र सरकार ने कक्षा 5 और 8 के छात्रों के लिए नो डिटेंशन पॉलिसी को समाप्त करने का निर्णय लिया है। हालांकि, तमिलनाडु सरकार ने इस पॉलिसी को लागू करने से मना कर दिया है। राज्य सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि केंद्र की यह नीति तमिलनाडु में लागू नहीं होगी। शिक्षा मंत्री अनबिल महेश पोय्यमोझी ने कहा कि केंद्र की नीति राज्य के स्कूलों में नहीं चलेगी, क्योंकि इससे कमजोर वर्ग के छात्रों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

### राज्य का विशेष शिक्षा मॉडल रहेगा जारी

तमिलनाडु सरकार ने स्पष्ट किया कि वह राज्य में अपने विशेष शिक्षा मॉडल को बनाए रखेगी, जिसके तहत नो डिटेंशन पॉलिसी लागू रहेगी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपनी अलग शिक्षा नीति बना रही है, जिसके अंतर्गत छात्रों को बिना रोक-टोक के अगली कक्षा में प्रमोट किया जाएगा। केंद्र का निर्णय केवल केंद्रीय स्कूलों पर लागू होगा, जबकि तमिलनाडु के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में पुरानी व्यवस्था ही कायम रहेगी।

### छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को चिंता की आवश्यकता नहीं

शिक्षा मंत्री पोय्यामोझी ने कहा कि इस फैसले से राज्य के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया, ÷हम यह सुनिश्चित करेंगे कि मौजूदा प्रणाली बनी रहे और तमिलनाडु में यह नई नीति लागू नहीं होगी। कोई भी चिंता न करे, राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि हर छात्र को शिक्षा पूरी करने का अवसर मिले, खासकर ग्रामीण और कमजोर वर्ग के छात्रों का ध्यान रखा जाएगा।

### केंद्र ने क्यों खत्म की नो डिटेंशन पॉलिसी

केंद्र सरकार ने हाल ही में नो डिटेंशन पॉलिसी को समाप्त कर दिया है, जिसके तहत अब कक्षा 5 और 8 के छात्रों को परीक्षा में असफल होने पर अगले कक्षा में प्रमोट नहीं किया जाएगा। यह नियम केवल केंद्रीय स्कूलों पर लागू होगा। सरकार का मानना है कि इस कदम से शिक्षा का स्तर सुधारने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञों से विचार विमर्श करने के बाद, और प्राथमिक शिक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से केंद्र ने यह निर्णय लिया है।
यह पहली बार नहीं है जब तमिलनाडु ने केंद्र की शिक्षा नीति का विरोध किया है। इससे पहले जब केंद्र ने शुरुआत की थी, तब भी तमिलनाडु सरकार ने इसका विरोध किया था। मुख्यमंत्री स्टालिन कई बार NEET को समाप्त कर, पेशेवर और तकनीकी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए पुरानी व्यवस्था को बहाल करने की मांग कर चुके हैं।

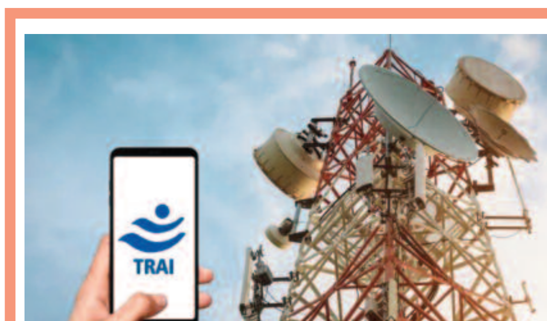


# कॉलिंग और एसएमएस के लिए हो अलग रिचार्ज प्लान

» 30 करोड़ यूजर्स पर होगा असर

**नई दिल्ली,24 दिसम्बर 2024 (ए)।** टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत कॉलिंग और एसएमएस के लिए अलग-अलग रिचार्ज प्लान उपलब्ध होंगे। यह कदम विशेष रूप से उन 30 करोड़ उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद होगा, जो मुख्य रूप से कॉलिंग के लिए अपने फोन का उपयोग करते हैं। ड्यूल-सिम इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों को भी इससे राहत मिलेगी, क्योंकि अब उन्हें डेटा प्लान्स के बिना अनावश्यक खर्च से बचने का विकल्प मिलेगा।

### 30 करोड़ उपभोक्ताओं को सीधा लाभ

देशभर में लगभग 30 करोड़ लोग केवल कॉलिंग और एसएमएस के लिए फोन का इस्तेमाल करते हैं। इनमें से अधिकतर उपभोक्ता ड्यूल-सिम का उपयोग करते हैं, जिन्हें हर सिम पर डेटा सहित महंगे रिचार्ज करवाने पड़ते थे। नई गाइडलाइन के तहत टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे कॉलिंग और एसएमएस के लिए अलग-अलग किफायती प्लान उपलब्ध कराएं। इससे न केवल उपभोक्ताओं का खर्च घटेगा,बल्कि उन्हें अपनी आवश्यकताओं के अनुसार रिचार्ज का विकल्प भी मिलेगा।

# रास्ता ही भटक गई वंदे भारत

**मुंबई,24 दिसम्बर 2024(ए)।** देश की सबसे आधुनिक और तेज ट्रेनों में से एक वंदे भारत एक्सप्रेस अपनी शानदार सेवाओं और तेज रफ्तार के लिए जानी जाती है। लेकिन हाल ही में यह ट्रेन एक अजीबोगरीब घटना का शिकार हो गई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल से गोवा के मडगांव तक जाने वाली यह ट्रेन बीच रास्ते में रास्ता भटक गई और गलत दिशा में पहुंच गई।रास्ता भटक कर पहुंची कल्याण वंदे भारत को दिवा स्टेशन से पनवेल की तरफ मुड़ना था, लेकिन तकनीकी खामी के चलते ट्रेन सीधे कल्याण की ओर चल पड़ी। जब रेल अधिकारियों को इस गलती का पता चला, तो उन्होंने तुरंत ट्रेन को कल्याण स्टेशन पर रोका। कुछ देर बाद ट्रेन को सही दिशा में दिवा स्टेशन पर लाया गया

और फिर असली गंतव्य की ओर रवाना किया गया। इस गलती की वजह से ट्रेन अपने गंतव्य पर 90 मिनट की देरी से पहुंची। सिग्नलिंग में तकनीकी खामी रेलवे अधिकारियों ने इस घटना का कारण सिग्नलिंग और टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम में तकनीकी खामी बताया है। दिवा स्टेशन पर 103 नंबर प्वाइंट पर सिग्नल की समस्या के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला ने बताया कि यह खामी दिवा जंक्शन की डाउन फास्ट लाइन और पनवेल रूट के बीच हुई थी। 35 मिनट तक रुकी रही ट्रेन दिवा स्टेशन पर ट्रेन को करीब 35 मिनट तक रोका गया, जिसके चलते मुंबई लोकल ट्रेन सेवाओं पर भी असर पड़ा।

# संपादकीय

## भारत-बांग्लादेश के संबंधों के सामने खड़ी नवीनतम चुनौतियां

ढाका द्वारा नई दिल्ली को अपने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद के प्रत्यर्पण की मांग करने वाला औपचारिक नोट,भारत-बांग्लादेश संबंधों के सामने आने वाली चुनौतियों में से नवीनतम है, लेकिन अंतिम नहीं है। पिछले सप्ताह बांग्लादेश उच्च न्यायालय द्वारा 2004 के एक बड़े हथियार बरामदगी मामले में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम के नेता परेश बरुआ की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने का निर्णय, अन्य प्रकार के तनाव का एक उदाहरण है जो इस समय नई दिल्ली के ढाका के साथ संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं। बरुआ, जो स्व-निर्वासन में है और माना जाता है कि वह चीन-म्यांमार सीमा क्षेत्र से काम कर रहा है,को बांग्लादेशी अधिकारियों द्वारा इस मामले में दोषी ठहराया गया था और सजा सुनाई गई थी, जिसमें देश के पूर्वोत्तर में अलगाववाद का समर्थन करने के लिए भारत को हजारों हथियारों की अवैध शिपमेंट शामिल थी।

लेकिन अगर बरुआ को दी गई सज़ा नई दिल्ली और ढाका द्वारा सुश्री वाजेद के अधीन किए गए मज़बूत सुरक्षा सहयोग को दर्शाती है, तो अब उनकी सज़ा में कमी इस बात को रेखांकित करती है कि अगस्त में सत्ता से बेदखल होने के बाद से द्विपक्षीय संबंध किस तरह से ध्वस्त हो गए हैं। अदालत ने 2004 में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी-जमात-ए-इस्लामी सरकार में मंत्री लुत्फ़ोज़्ज़मान बाबर को भी बरी कर दिया, जिस पर बांग्लादेशी और भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने हथियार तस्करी मामले में शामिल होने का आरोप लगाया था। कई अन्य जिन्हें पहले दोषी ठहराया गया था, उन्हें भी अदालत से राहत मिली है, या तो बरी कर दिया गया है या सजा कम कर दी गई है। नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस की अंतरिम बांग्लादेश सरकार यह तर्क दे सकती है कि देश की अदालतें कार्यपालिका और विधायिका से स्वतंत्र रूप से काम करती हैं और फ़ैसले को प्रभावित करने में उनकी कोई भूमिका नहीं है। लेकिन जिस तरह भारत में सत्तारूढ़ पार्टी के हितों से जुड़े विवादास्पद न्यायालय के फ़ैसलों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है, उसी तरह इस फ़ैसले को भी बांग्लादेश में इस समय व्याप्त भारत विरोधी माहौल के चश्मे से देखा जाएगा। बीएनपी और जमात, जिनकी गतिविधियों पर सुश्री वाजेद के कार्यकाल में सख्त प्रतिबंध लगाए गए थे, अब फिर से प्रमुख राजनीतिक खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं। श्री यूनुस की सरकार बांग्लादेश में हिंदुओं के बीच बढ़ती असुरक्षा और सुश्री वाजेद के प्रशासन की कुछ सबसे खराब ज्यादतियों के लिए नई दिल्ली को दोषी ठहराने वाली लगभग रोज़ाना लीक होने वाली ख़बरों के बीच भारत के साथ संबंधों में गिरावट को रोकने के लिए संघर्ष करती दिख रही है। उस पृष्ठभूमि में, बरुआ पर न्यायालय का फ़ैसला नई दिल्ली में बांग्लादेश की ईमानदारी को लेकर चिंताओं को और बढ़ाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों से समझौता न हो, खासकर देश के पूर्वोत्तर में। फ़ैसले पर ढाका की प्रतिक्रिया भारत की इस धारणा को आकार देगी कि क्या बांग्लादेश वास्तव में विश्वास का पुनर्निर्माण करना चाहता है। गेंद श्री यूनुस के पाले में है।

## 25 दिसम्बर...सुशासन दिवस 2024

# अटल बिहारी वाजपेयी की विरासत का जश्न

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

25 दिसम्बर, 2024 का सुशासन दिवस विशेष महत्त्व रखता है क्योंकि यह अटल बिहारी वाजपेयी की 100 वीं जयंती है। इस मील के पत्थर को मनाने के लिए, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग ने 19 से 24 दिसम्बर, 2024 तक चलने वाले प्रशासन गाँव की ओर नामक एक सप्ताह के अभियान की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य शासन को जमीनी स्तर पर लाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रशासनिक सेवाएँ ग्रामीण आबादी तक पहुँच सकें। सुशासन दिवस पारदर्शी, जवाबदेह और लोगों की ज़रूरतों के प्रति उत्तरदायी शासन के महत्त्व की याद दिलाता है। सुशासन सार्वजनिक संसाधनों और संस्थानों को ईमानदारी और निष्पक्ष रूप से, भ्रष्टाचार या सत्ता के दुरुपयोग के बिना प्रबंधित करने की एक प्रक्रिया है। यह सुनिश्चित करता है कि कानूनों का पालन किया जाए, मानवाधिकारों की रक्षा की जाए और समाज की ज़रूरतों को पूरा किया जाए। इसका उद्देश्य नागरिकों की प्रभावी रूप से सेवा करने और शासन प्रक्रिया में जनता की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की जिम्मेदारी के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना है। भारत में हर साल 25 दिसम्बर को देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के उपलक्ष्य में सुशासन दिवस मनाया जाता है। पहली बार 2014 में मनाया गया यह दिवस पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है कि विकास का लाभ हर नागरिक तक पहुँचे। अटल बिहारी वाजपेयी एक प्रमुख भारतीय राजनेता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संस्थापक सदस्य थे। अपनी वाक्पटुता और काव्य कौशल के लिए जाने-जाने वाले, उन्हें उनके उदार राजनीतिक विचारों और आम सहमति बनाने के प्रयासों के लिए पार्टी लाइनों से परे सम्मान दिया जाता था। वाजपेयी का राजनीतिक करियर पाँच दशकों से अधिक समय तक चला, जिसके दौरान उन्होंने भारत की घरेलू और विदेश नीतियों को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा के सम्मान में, उन्हें 2015 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

25 दिसम्बर, 1924 को ग्वालियर, मध्य प्रदेश में जन्मे अटल बिहारी वाजपेयी एक प्रतिष्ठित राजनेता, कवि और वक्ता थे। उन्होंने तीन बार भारत के प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया और देश के विकास पथ पर एक अमिट छाप छोड़ी। उनके कार्यकाल में महत्त्वपूर्ण आर्थिक सुधार, स्वर्णिम चतुर्भुज जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाएँ और भारत की वैश्विक स्थिति में सुधार के प्रयास शामिल थे। वाजपेयी के नेतृत्व की विशेषता लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता थी, जो उनकी जयंती को सुशासन दिवस मनाने का एक उपयुक्त अवसर

बनाती है। सुशासन दिवस 2024 न केवल वाजपेयी की विरासत का स्मरण करता है, बल्कि नागरिकों और अधिकारियों से देश के समग्र विकास के लिए पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी शासन को बढ़ावा देने का आग्रह भी करता है।

25 दिसम्बर, 2024 का सुशासन दिवस विशेष महत्त्व रखता है क्योंकि यह अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती है। इस मील के पत्थर को मनाने के लिए, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग ने 19 से 24 दिसम्बर, 2024 तक चलने वाले प्रशासन गाँव की ओर नामक एक सप्ताह के अभियान की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य शासन को जमीनी स्तर पर लाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रशासनिक सेवाएँ ग्रामीण आबादी तक पहुँच सकें। सुशासन दिवस पारदर्शी, जवाबदेह और लोगों की ज़रूरतों के प्रति उत्तरदायी शासन के महत्त्व की याद दिलाता है। सुशासन सार्वजनिक संसाधनों और संस्थानों को ईमानदारी और निष्पक्ष रूप से, भ्रष्टाचार या सत्ता के दुरुपयोग के बिना प्रबंधित करने की एक प्रक्रिया है। यह सुनिश्चित करता है कि कानूनों का पालन किया जाए, मानवाधिकारों की रक्षा की जाए और समाज की ज़रूरतों को पूरा किया जाए। इसका उद्देश्य नागरिकों की प्रभावी रूप से सेवा करने और शासन प्रक्रिया में जनता की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की ज़िम्मेदारी के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना है।भारतीय राजनीति में उनके योगदान और पारदर्शी और जवाबदेह सरकार के लिए उनके दृष्टिकोण को मान्यता देना। जागरूकता को बढ़ावा देना, नागरिकों को सुशासन के महत्त्व और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भूमिका के बारे में शिक्षित करना। जनता की प्रभावी और नैतिक रूप से सेवा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को मज़बूत करना। इसे किसी संगठन या समाज के भीतर निर्णय लेने और लागू करने की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। शासन केवल व्यवस्था बनाए रखने के लिए ही आवश्यक नहीं है; यह उद्देश्यों को प्राप्त करने और समुदाय या समूह की आवश्यकताओं को सम्बोधित करने में भी मदद करता है। विश्व बैंक के अनुसार, सुशासन वह तरीक़ा है जिसमें विकास के लिए किसी देश के आर्थिक और सामाजिक संसाधनों के प्रबंधन में शक्ति का प्रयोग किया जाता है। संस्थाओं को इस तरह से संचालित होना चाहिए कि दूसरों के लिए यह देखना आसान हो कि क्या कार्य किए जा रहे हैं। यह भ्रष्ट आचरण को भी रोकता है। शासक वर्ग को लोगों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। इससे लोगों और पूरे समाज की बेहतरी सुनिश्चित होगी।

शासी संस्थाओं को लोगों की चिंताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और उचित समय के भीतर उनकी ज़रूरतों को पूरा करना चाहिए। समाज के सभी वर्गों के लोगों को बिना किसी भेदभाव के सुधार के लिए समान अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। निर्णय समाज के एक बड़े वर्ग की सहमति से लिए जाने चाहिए, ताकि यह किसी के लिए हानिकारक न हो। उपलब्ध संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाना चाहिए ताकि ऐसे परिणाम प्राप्त हों जो उनके समुदाय की आवश्यकताओं को पूरा करें। प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों को बनाए रखने के लिए कानूनी ढांचे को निष्पक्ष तरीके से लागू किया जाना चाहिए। समाज के लोगों को वैध संगठनों या प्रतिनिधियों के माध्यम से अपनी राय व्यक्त करने में सक्षम होना चाहिए। इसमें कमजोर और पिछड़े समूह भी शामिल हैं। सुशासन प्रथाएँ जनता के हितों को बनाए रखने में मदद करती हैं। सुशासन किसी संगठन को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के लिए मौजूदा संसाधनों का इष्टतम और कुशल उपयोग करने में सक्षम बनाता है। सुशासन प्रथाएँ शक्ति और पद के अत्यधिक उपयोग के विरुद्ध जाँच और संतुलन भी सुनिश्चित करती हैं।

शासन प्रक्रिया में जनता की भागीदारी तभी प्राप्त की जा सकती है जब सुशासन प्रथाओं को लागू किया जाए। सुशासन दिवस विभिन्न पहलों के माध्यम से नैतिक शासन, पारदर्शिता और नागरिक भागीदारी पर ज़ोर देता है। इन पहलों का उद्देश्य प्रशासन को अधिक कुशल, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाना है। ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता और सरकारी सेवाओं तक निर्बाध पहुँच को बढ़ावा देता है। नागरिकों को सार्वजनिक सूचना तक पहुँचने के लिए सशक्त बनाकर पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। सरकारी परियोजनाओं पर प्रतिक्रिया प्रदान करके नीति निर्माण में नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करता है। पूरे भारत में स्वच्छता, सफ़ाई और अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है। लाभार्थियों को सीधे सब्सिडी हस्तांतरित करता है, भ्रष्टाचार को कम करता है और लक्षित वितरण सुनिश्चित करता है। कुशल शासन के लिए देरी को सम्बोधित करते हुए सरकारी परियोजनाओं के समय पर निष्पादन की निगरानी करता है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

## कविता
## वक्त बदलता रहता है

घटती-घटना
प्रो. शामलाल कौशल
रोहतक हरियाणा

दोस्तों सावधान! वक्त बदलता रहता है
हंसी और खुशी में करवट बदलता रहता है!
कभी खिलाता है फूल, कलियां मसलता रहता है
जिंदगी में आती है बाढ़,नज़ारा बदलता रहता है।
कोई मरे या जिए,वक्त आगे चलता रहता है
मजबूरी के समय मनुष्य सब सहता रहता है।
काम करके भी पेट नहीं भरता लाचार आदमी
सारी उम्र ही इसी तरह जहर पीता रहता है।
वक्त वक्त की बात है मेरे प्यारे दोस्तों यहां
सच्चा हारता रहता है, झूठा जीतता रहता है।
जब आ जाती है किसी के पास बहुत ताकत
अहंकार से वह चूर अंधा तो होता ही रहता है।
टेढ़ी चाल चलकर बेशक शकुनी जीत जाए
लेकिन बेईमानी में तो बेड़ा गर्क होता ही रहता है।
दूध पानी को अपने साथ मिलाकर दूध बनाता है
गर्म करने पर स्वार्थी पानी दूध को छोड़ जाता है।
कितना अजीब है कि हम दूसरों से जलते रहते हैं
जबकि हर कोई अपना कमाता और खाता है।
वक्त वक्त की यह बात है मेरे प्यारे दोस्तों
कभी पतझड़ चुभता है और बसंत भाता है।

# भारत की अर्थव्यवस्था को अच्छे से बेहतरीन बनाना

इस आने वाले सप्ताह में जब अधिकांश करदाता साल के अंत और नए साल की योजना बनाने में व्यस्त होंगे, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके सहयोगी 1 फरवरी को निर्धारित बजट वक्तव्य और भाषण को अंतिम रूप देने के लिए संख्याओं पर विचार-विमर्श करेंगे। जबकि भाषण स्वयं लगभग अंतिम दिन तक कई मसौदों से गुज़रेगा, जिसमें प्रधानमंत्री अपनी स्वीकृति देंगे, बजटीय संख्याएँ और प्रमुख प्रस्ताव जनवरी की शुरुआत में पाइपलाइन में होंगे। सरकार को क्या करना है और क्या कर सकती है, यह काफी हद तक उन संख्याओं पर निर्भर करेगा। नरेंद्र मोदी सरकार का वार्षिक बजट भाषण पिछले कुछ वर्षों से एक ही पैटर्न पर टिका हुआ है। भाषण का आधा हिस्सा किए गए सभी अच्छे कामों के बारे में दावे करने में और बाकी आधे हिस्से में किए जाने वाले प्रस्तावित कामों के बारे में। संसद में वार्षिक राजकोषीय वक्तव्य के वास्तविक स्वरूप, राजस्व अनुमानों के बजट अनुमानों से अलग होने और व्यय पक्ष और राजस्व पक्ष पर विभिन्न प्रस्तावों के निहितार्थों पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है। बजट की वास्तविक जांच विश्लेषकों पर छोड़ दी जाती है जो अगले कुछ दिन बजट प्रस्तावों का विश्लेषण करने में बिताते हैं। किसी भी मामले में, बहुत कम लोगों को इस बात से ज़्यादा दिलचस्पी है कि कर प्रस्तावों का उनके घरेलू बजट पर क्या असर होगा। सभी भव्य योजनाएँ और प्रस्ताव पार्टी प्रवक्ताओं के लिए प्राइम टाइम पर बेचने के लिए हैं। वस्तु एवं सेवा कर की शुरुआत के साथ, वार्षिक बजट भाषण में कुछ सामान्य उत्साह की कमी आ गई है, क्योंकि एक समय था जब हर कोई यह जानने के लिए इंतजार करता था कि साबुन या सिगरेट की कीमत कितनी बढ़ जाएगी।

जबकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यकाल के दौरान प्रत्यक्ष करों के मामले में बहुत कम नाटकीय कार्रवाई हुई है, पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली द्वारा किए गए बदलावों के बाद, इस साल कुछ उम्मीदें हैं कि कुछ सुर्खियाँ बटोरने वाले बदलाव किए जा सकते हैं। मध्यम वर्ग के वेतनभोगी कुछ प्रत्यक्ष कर राहत की उम्मीद करते हैं और सुपर-रिच और अमीर लोगों पर कुछ बोझ डालने की बात चल रही है। मंत्रियों और अधिकारियों द्वारा अमीरों और मध्यम वर्ग के बीच बढ़ती आय के अंतर और उपभोक्ता व्यवहार पर इसके प्रभाव के बारे में चिंतित कई विश्लेषकों की आवाज़ में अपनी आवाज़ मिलाने से बाद के बारे में अटकलें शुरू हो गई हैं। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में उपभोक्ता टिकाऊ और गैर-टिकाऊ वस्तुओं की बिक्री में गिरावट और इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय आय वृद्धि दर में मंदी ने बोर्डरूम और सरकारी कार्यालयों में खतरे की घंटी बजा दी है। पिछले दशक के राष्ट्रीय खातों के आंकड़ों से पता चलता है कि कुल निजी अंतिम उपभोग व्यय, जो आय के लिए काफी अच्छा प्रतिनिधि है, 2013-2023 के दौरान 6.0 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ा है। हालांकि, शिक्षा (7.5 प्रतिशत) और स्वास्थ्य सेवा (8.2 प्रतिशत) पर परिवारों का खर्च उपभोक्ता वस्तुओं, खाद्य और ईंधन पर खर्च की तुलना में तेज गति से बढ़ा है। स्पष्ट रूप से, स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों के बढ़ते निजी प्रावधान मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए एक दर्द बिंदु बन गए हैं। रोजगार वृद्धि में गिरावट के साथ, कई मध्यम वर्ग के आय अर्जित करने वालों को अपने घरों में बेरोजगार युवाओं और सेवानिवृत्त बुजुर्गों दोनों के रखरखाव पर अधिक खर्च करना पड़ रहा है इनमें से ज़्यादातर, जैसे कि ज़मीन के रिकॉर्ड में सुधार, ज़मीन की रजिस्ट्री बनाना, ज़मीन के मालिकाना हक का नक्शा बनाना और कैडस्ट्रल नक्शों का डिजिटलीकरण करना, मुख्य रूप से राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। जलवायु वित्त और रुपये के संदर्भ के अलावा, इस बात पर ज़्यादा ध्यान नहीं दिया गया कि केंद्र क्या कर सकता है।

-संजय बारू-

# असीम शक्ति का भंडार-मानव मस्तिष्क

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

मस्तिष्क के स्मृति केंद्र में घटनाओं का भंडारण कैसे होता है मान लें जब अगर किसी नकारात्मक घटना को किसी सुखद याद से जोड़ दिया जाए तो नकारात्मक भावनाओं और डर की भावना कम हो जाती है।किसी व्यक्ति को पिंजरे में रखा जाए तो उसकी नकारात्मक भावनाएं और डर जाते हैं। चिकित्सकीय दृष्टि से यह महत्वपूर्ण नहीं है कि किसी को दुर्घटना से जुड़ी हर बात ठीक से याद है या नहीं, महत्वपूर्ण है घटना से उत्पन्न भावनाएं। अवसादग्रस्त व्यक्ति को घटना की फिर से याद दिलाई जाती है (घटना से जुड़ी चीजें दिखाकर या उस स्थान पर ले जाकर)। घटना से जुड़ी भावनाओं को पहले उत्तेजित किया जाता है। फिर घटना के अभाव में इस प्रक्रिया को दोहराने से घटना से जुड़ी नकारात्मक भावनाएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं। मनोविज्ञान में इसे विलोपन विधि कहते हैं। स्मृति के समेकन और पुनर्संयोजन में बाधा डालना जब कोई स्मृति बनती है तो उसमें दृश्य, श्रव्य और स्पर्श आदि सभी संवेदनाएं शामिल होती हैं। किसी घटना विशेष की स्मृति एक ही स्थान तक सीमित नहीं होती, इसलिए उसे यंत्रवत् हटाना कठिन और अव्यावहारिक होता है। इस समस्या को दूर करने के लिए वैज्ञानिक किसी खास याद से जुड़े न्यूरॉन्स की पहचान तब करते हैं, जब वे किसी खास समय पर सक्रिय होते हैं। यह वह समय होता है, जब कोई याद धीरे-धीरे बदलती और स्थिर होती है। ऐसे में उस याद से जुड़े न्यूरॉन्स बार-बार सक्रिय होते हैं, चाहे व्यक्ति सो रहा हो या जाग रहा हो। इस प्रक्रिया को स्मृति का समेकन कहते हैं। सिनैप्टिक परिवर्तनों के लिए जिम्मेदार प्रोटीन के संश्लेषण में हस्तक्षेप करके स्मृति के समेकन को रोका जा सकता है। जानवरों में इस तकनीक का उपयोग करके ताजा यादों को मिटाया जा सकता है। लेकिन ये प्रोटीन चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं हैं, क्योंकि ये विशिष्ट नहीं हैं। ये कुछ समय पहले की सभी यादों को मिटा देते हैं, इसलिए इनका इंसानों के लिए इस्तेमाल करना सुरक्षित नहीं है। कुछ अंतर्जात न्यूरोहोर्मोन जो नकारात्मक भावनाओं को कम करते हैं और मूड बदलने में सक्षम होते हैं, इंसानों के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। शोध ने साबित किया है कि किसी दुर्घटना के परिणामस्वरूप स्रावित होने वाले तनाव हार्मोन उस याद के समेकन के लिए जिम्मेदार होते हैं। कुछ दवाएं इन तनाव हार्मोन को रोकती हैं। ये दवाएं कुछ हद तक इंसानों के इस्तेमाल के लिए सुरक्षित हैं। ऐसी ही एक दवा है प्रोप्रानोलोल, जो एमिग्डाला में ई-एड्रीनर्जिक रिसेप्टर से जुड़ती है, जो बाद में मस्तिष्क के हिप्पोकैम्पस हिस्से में स्मृति को समेकित करती है। इंसानों में वही यादें मजबूत बनती हैं जो भावनात्मक होती हैं। प्रोप्रानोलोल जीवन की किसी भी अप्रिय घटना की स्मृति को भावनात्मक रूप से समेकित होने से रोकता है। प्रोप्रानोलोल से न सिर्फ नई याद मिटाना संभव है, बल्कि इससे पुरानी यादें भी मिटाई जा सकती हैं अगर उस याद को रिफ्रेश (सक्रिय) किया जाए और फिर प्रोप्रानोलोल दिया जाए। मजेदार बात यह है कि यह दवा स्मृति के सिर्फ नकारात्मक हिस्से को मिटाती है, पूरी याद को नहीं। हाल ही में न्यूरोसाइंटिस्ट स्टीव रामिरेज़ (बोस्टन यूनिवर्सिटी) का एक शोध करेंट बायोलॉजी में प्रकाशित हुआ है, जिसके अनुसार हिप्पोकैम्पस के अलग-अलग हिस्से अच्छी और बुरी यादों से जुड़े होते हैं हिप्पोकैम्पस के ऊपरी हिस्से में कोशिकाओं को उत्तेजित करने से केवल सकारात्मक यादें ताज़ा होती हैं। यह शोध शोधकर्ताओं को मानव मस्तिष्क के उन हिस्सों की जांच करने में मदद करेगा जो अच्छी और बुरी यादों से संबंधित हैं। यदि शोध के माध्यम से यह साबित हो जाता है कि मनुष्यों में हिप्पोकैम्पस के निचले हिस्से की सक्रियता भी अवसाद या नकारात्मक भावनाओं के लिए जिम्मेदार है, तो इससे ऐसे रोगियों के इलाज में मदद मिलेगी। वैज्ञानिकों ने पहले ही जानवरों में यादों को स्थानांतरित करने, बदलने और मिटाने में सफलता हासिल की है। मनुष्यों में भी, मस्तिष्क में यादों के प्रतिनिधित्व की पहचान की गई है। विशेष दवाओं के उपयोग से किसी स्मृति से संबंधित तंत्रिकाओं को उत्तेजित करके किसी स्मृति को मिटाना संभव हो गया है। हालांकि, इन दवाओं के दुष्प्रभाव हैं। ताजा यादों को बदला जा सकता है। अब मस्तिष्क में ऐसी घटनाओं की यादें डालना संभव है जो कभी हुई ही नहीं। मनुष्यों में मेमोरी एडिटिंग अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन यह उन लोगों के लिए वरदान साबित हुई है जो किसी दुर्घटना के बाद गंभीर अवसाद (जैसे पोस्ट-ट्रॉमेटिक

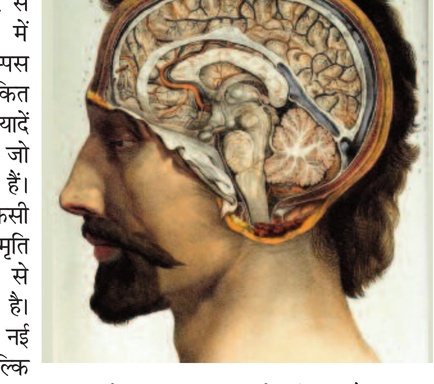

स्ट्रेस डिसऑर्डर) से पीड़ित हैं भविष्य में, यह आशा की जाती है कि संबंधित तंत्रिकाओं को उत्तेजित करके, अल्जाइमर और मनोभ्रंश जैसी बीमारियों को ठीक किया जा सकेगा और दृष्टिबाधित रोगी भी देख सकेंगे।महत्वपूर्ण घटनाएं हमारे मस्तिष्क में स्मृतियों के रूप में संग्रहीत होती हैं। अच्छी और यादगार घटनाएं हमारे मस्तिष्क में बार-बार गूंजती हैं और अमिट स्मृतियों के रूप में संग्रहीत होती हैं। मानव जीवन में कई ऐसी घटनाएं भी होती हैं जिनकी दुखद यादें लंबे समय तक दर्द देती रहती हैं। कई बार हम सोचते हैं कि काश हम दुखद घटनाओं की यादों को मिटा पाते और अच्छी यादों को मजबूत कर पाते। कई साइंस फिक्शन और विज्ञान कथा आधारित फिल्मों में मस्तिष्क से अनावश्यक और दुखद यादों को हटाने की अवधारणा रखी गई है। 2004 में आई साइंस फिक्शन फिल्म इटरनल सनशाइन ऑफ द स्पॉटलेस माइंड में दिखाया गया था कि कैसे एक प्रेमी जोड़ा अपने रिश्ते की कड़वी यादों को मिटाता है ताकि वे दोनों एक नई शुरुआत कर सकें। %मैन इन ब्लैक% और %टोटल रिकॉल% भी ऐसी ही फिल्में हैं जिनमें विभिन्न कारणों से यादों को मिटाया गया है। माना जाता है कि साइंस फिक्शन में की गई कल्पनाएं भविष्य में नए आविष्कारों का आधार बनती हैं। मेमोरी एडिटिंग की अवधारणा भी साकार होने वाली है। अब अवांछित यादों को पहचान कर मस्तिष्क से हटाया जा सकेगा। मस्तिष्क में साहचर्य स्मृतियों का निरूपण करने वाले सिनैप्टिक परिवर्तनों की पहचान करना अब संभव हो गया है। अब तक इस तकनीक को अकशेरुकी जीवों पर सफलतापूर्वक अपनाया गया है। इन जीवों में विशिष्ट स्मृतियों को पहचानना और संपादित करना संभव हो गया है। हालांकि, मनुष्यों और अन्य कशेरुकियों में स्मृतियों का निरूपण इतना जटिल है कि उन्हें इस तकनीक से संपादित करना संभव नहीं है। वैज्ञानिक मनुष्यों में स्मृति संपादन की नई तकनीकों पर शोध कर रहे हैं जिनका उद्देश्य दुखद यादों से उत्पन्न भावनात्मक उफान और नशे के आदी लोगों में नशे की इच्छा को कम करना है। स्मृति संपादन के क्षेत्र में ऑप्टोजेनेटिक्स तकनीक को आजमाया गया है। वैज्ञानिकों ने ये प्रयोग चूहों पर किया है जिनका मस्तिष्क अपेक्षाकृत सरल है। इस तकनीक में आनुवंशिक परिवर्तन लाकर मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश के प्रति संवेदनशील बनाया जाता है फिर भी, इस क्षेत्र में निरंतर शोध से उम्मीद जगती है कि भविष्य में यादों का संपादन आसान हो जाएगा।

जब कोई याद मस्तिष्क में दर्ज होती है, तो नसों के बीच नए समन्वय बनते हैं। संदेश विद्युत संकेतों के रूप में नसों में प्रेषित होते हैं। जिस स्थान पर दो तंत्रिका कोशिकाएं मिलती हैं, उसे सिनैप्स कहते हैं। सिनैप्स में कुछ रसायन (प्रोटीन) संश्लेषित होते हैं, ये रसायन संदेश को आगे भेजते हैं। ये प्रोटीन किसी याद के निर्माण और समेकन के लिए जिम्मेदार होते हैं। जब कोई पुरानी याद ताज़ा होती है, तो फिर से वैसे ही समन्वय बनते हैं। नए प्रोटीन संश्लेषित होते हैं। इसे उस याद का फिर से समेकन कहते हैं।

तंत्रिका वैज्ञानिक किसी याद को एनग्राम के रूप में चिह्नित करते हैं। एनग्राम मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं में होने वाला वह शारीरिक परिवर्तन है जो किसी विशेष घटना को याद करने पर होता है। मनुष्यों में, एनग्राम किसी प्रतीक की तरह नहीं होता बल्कि पूरे मस्तिष्क में जाल की तरह फैला होता है क्योंकि एक याद में दृष्टि, ध्वनि, गंध और स्पर्श जैसी सभी संवेदनाएँ शामिल होती हैं और मस्तिष्क में इनके केंद्र अलग-अलग होते हैं।

मस्तिष्क के सेरेब्रल भाग में स्मृति के केंद्र होते हैं। मनुष्य एक ही घटना को कई तरह से याद रख सकता है और हर याद एक अलग तंत्रिका प्रतिनिधित्व से जुड़ी होती है। मान लीजिए किसी व्यक्ति के साथ कोई दुर्घटना घट जाती है, तो वह याद जीवन में घटने वाली अन्य घटनाओं की तरह ही संग्रहीत हो जाती है, जैसे कि यह कहाँ हुआ, कब हुआ, कैसे हुआ आदि। इस याद को एपिसोडिक मेमोरी कहते हैं। इसे सेरेब्रम के हिप्पोकैम्पस भाग द्वारा नियंत्रित किया जाता है। इस दुर्घटना के परिणामस्वरूप मनुष्य में एक रक्षात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न होती है, जैसे कि उस स्थान को देखने या वहाँ जाने से डरना। वह स्वाभाविक रूप से उस स्थान से बचने की कोशिश करता है। इस रक्षात्मक प्रतिक्रिया को मस्तिष्क के एक अलग भाग द्वारा नियंत्रित किया जाता है जिसे सेरेब्रल लोब कहते हैं। ये दोनों प्रकार की यादें और उनसे उत्पन्न व्यक्तिगत भावनाएँ एक दूसरे के साथ परस्पर क्रिया कर सकती हैं और उनके भंडारण और अभिव्यक्ति में एक अलग तंत्रिका तंत्र शामिल होता है। यदि किसी घटना की स्मृति का एक रूप हटा भी दिया जाए, तो भी वह दूसरे रूप में मस्तिष्क में रह सकती है। यानी मानव मस्तिष्क से किसी भी स्मृति को पूरी तरह से हटाना मुश्किल है। लेकिन इसका एक फायदा यह है कि एक स्मृति एपिसोडिक मेमोरी के रूप में मस्तिष्क में रहती है लेकिन उससे उत्पन्न नकारात्मक भावनाएँ हट जाती हैं। शोधकर्ताओं का ध्यान सिर्फ किसी खास घटना से पैदा हुई नकारात्मक भावनाओं को दूर करने पर है। लेकिन अभी तक यह तय नहीं हो पाया है कि ऐसा करने से उस याद के दूसरे रूपों पर क्या असर होगा।

## कविता
## अटल की याद

घटती-घटना
लक्ष्मीनारायण सेन
खुंटेरी गरियाबंद

मिथ्या हिंसा पर करते ये वार
अपने वादें के थे सदा सुमार
राष्ट्र सर्वोपरि करते स्वीकार
यही जीवन में थे इनके सार।।
अकेले भारी पड़ते जब ओ
सांसद में होते जब वह दो
अपने लफाज में बोलते जब
पक्षविपक्ष बजाते ताली दो।।
प्रथम करवाएं परमाणु जांच
सुनें बैरी और किए खूब नाच
जब लोग जाने इनकी सांच
सफलता में किए सब नाच।।
सड़क का बिछवाया जाल
सफर का किया कम काल
अर्थ उन्नत की बने ये ढाल
काम देख बजाए सब ताल।।
साहित्य के ओ परम पुजारी
हालात पर रचना करते जारी
इनको सुनने अंतुर रहते सारी
हर शब्द में वजन होते भारी।।
पाक से मधुर संबंध जोड़े
मित्रता की बात यह बोले
सरहद पर छाप अपना छोड़े
वाघा बार्डर पर रास्ता खोले।।
कारगिल की सुन तेरे हुंकार
पाकिस्तान हो गए तार-तार
जवानों के मन में भरे जोश
देख दुश्मन के उड़ गये होश।।
मध्यप्रदेश का किए विभाजन
गदगद हुए छत्तीसगढ़ के जन
उत्तरप्रदेश को दिए उत्तराखंड
पृथक किए बिहार से झारखंड।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

# भीम राव अंबेडकर के प्रति केंद्रीय गृहमंत्री के अमर्यादित टिप्पणी से पूरे देश में आक्रोश : शफी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा द्वारा शहर में बाबा साहब सम्मान मार्च निकाला गया। संविधान पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में देश के गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पर की गई अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर सभी जिला मुख्यालय में इसका आयोजन किया था। इसका उद्देश्य मंत्रिमंडल से अमित शाह की बर्खास्तगी और अमर्यादित टिप्पणी पर उनकी माफी है। मंगलवार को जिला कांग्रेस की यह रैली राजीव भवन से प्रारंभ होकर अम्बेडकर चौक से नवापारा मार्ग, आकाशवाणी चौक होते कलेक्टोरेट गई जो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम ज्ञापन सौंप समाप्त हुई। ज्ञापन के माध्यम से सैकड़ों कार्यकर्ताओं की यह रैली में लगातार बाबा साहब अमर रहें और संविधान जिंदाबाद के नारों से गुंजायमान था। रैली के दौरान लगातार अमित शाह के माफी और इस्तीफे की मांग गूंजती रही। इस दौरान श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद ने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहब के प्रति अमित शाह की यह अमर्यादित टिप्पणी वास्तव में बाबासाहेब के साथ ही साथ स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रनिर्माताओं के प्रति उनकी और समूचे भाजपा के उस वास्तविक भावना की अभिव्यक्ति है जिसे वो छिपा के रखते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का अपमान यह देश बर्दाश्त नहीं करेगा। इस दौरान औषधीय पादप बोर्ड अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, पीसीसी उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव, जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता, मधु सिंह, मो. इस्लाम,सीमा सोनी, सुदामा कुर्रे, शेखर झरिया, राजू चिर्रे, अजर राम चौधरी ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ ही दलित एवं आदिवासी समाज के लोग शामिल थे।

### महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण

रैली के दौरान कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रैली के मार्ग में मौजूद सभी महापुरुषों के प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। सर्वप्रथम स्वामी विवेकानंद की माल्यार्पण कर रैली को प्रारंभ किया गया। यहां से रैली महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पहुंच उन्हें माल्यार्पण किया। इसके उपरांत रैली ने संविधान निर्माता बाबासाहेब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। यहां से रैली नवापारा मोहल्ले मार्ग से होते हुए मदर टेरेसा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि देने के उपरांत पास स्थित शिव मंदिर में रूककर आराधना किया एवं अमित शाह और भाजपा को सद्बुद्धि देने की कामना की।

# चोरी के 3 नग दो पहिया वाहन के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

दो पहिया वाहन चोरी के मामले में कोतवाली व मणिपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के तीन दो पहिया वाहन जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार दर्रीपारा निवासी रंधीर ठाकुर की बाइक 21 दिसंबर की रात उसके घर से आंगन से चोरी हो गई थी। वहीं गुदरी बाजार निवासी अभिषेक गुप्ता की बाइक 6 जुलाई को इसके घर के बाहर से चोरी हो गई थी। वहीं नमनाकला निवासी अमित सिंह की स्कूटी 16 जून को उसके घर से अज्ञात चोरों ने पार कर दी थी। तीनों पीड़ितों ने थाना मणिपुर, कोतवाली व गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने रामेश्वर उर्फ अत्ता दास उम्र 25 वर्ष निवासी हर्राटिकरा थाना जयनगर जिला सूरजपुर हाल मुकाम जोगीबांध थाना मणीपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के कुल 3 नग दो पहिया वाहन जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणीपुर उप निरीक्षक अखिलेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक बबलू कुजूर, प्रधान आरक्षक सतीश सिंह आरक्षक उमाशंकर साहू,अतुल शर्मा ,कुश सोनी, इम्तियाज़ खान थाना कोतवाली से प्रधान आरक्षक अजय पांडे थाना गांधीनगर से प्रधान आरक्षक मुकेश गुप्ता आरक्षक हरि सिंह सक्रिय रहे।

# अत्यंत दयनीय स्थिति पुराने डंपिंग यार्ड में रखी गई है भारत माता की मूर्ति:अभाविप

### अभाविप ने किया नगर निगम का घेराव

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अंबिकापुर नगर के कार्यकर्ताओं द्वारा भारत माता की मूर्ति को सम्मान जनक स्थान पर स्थापित करने एवं शहीदों के नाम पर प्रमुख मार्गो का नामकरण करने हेतु नगर निगम अंबिकापुर के कार्यालय का घेराव किया गया। यह घेराव लगातार तीन घंटे तक चला, घेराव में निगम गेट तालाबंदी व चक्का जाम भी किया गया । विद्यार्थी परिषद प्रदेश सह मंत्री अनंत सोनी द्वारा बताया गया कि अंबिकापुर नगर में स्थापित भारत माता की मूर्ति, जो कि हमारे राष्ट्रीय गौरव और सम्मान का प्रतीक है, वर्तमान में नगर निगम के पुराने डंपिंग यार्ड में अत्यंत दयनीय स्थिति में पड़ी हुई है। यह स्थिति न केवल भारत माता का अपमान है, बल्कि नगर के नागरिकों एवं छात्र समुदाय की भावनाओं को भी आहत कर रही है।

इस विषय को लेकर अभाविप ने नगर निगम से यह मांग कि है की भारत माता की इस मूर्ति को तत्काल प्रभाव से नगर के किसी प्रमुख सार्वजनिक स्थान पर सम्मानपूर्वक स्थापित किया जाए। यह हमारी राष्ट्रीय धरोहर और अस्मिता का प्रतीक है, जिसे इस प्रकार उपेक्षित छोड़ना अनुचित है। घेराव में प्रमुख रूप से प्रदेश तकनीकी सह प्रमुख गोपाल सिंह, आस्तिक सिंह, लक्की सिंह, सृष्टि सिंह, सिद्धार्थ यादव, इनय साहू, रोहन मंडल, मयंक शुक्ला, अविनाश मंडल, हरीश, सूर्या दुबे, नूरे, कैफ, राहुल, पीयूष, बहादूर, प्रेरणा मंडल, मोनू पवन, सूरज व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# समाज के लोगों ने आतिशबाजी व केक काटकर मनाई खुशी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

प्रभु यीशु के जन्मदिन पर गिरिजाघरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। वहीं मसीही समाज के लोग अपने-अपने घरों को भी रंग-बिरंगी रोशनी से सजाए थे। 24 दिसंबर को शाम होते ही काफी संख्या में समाज के महिला-पुरूष व बच्चे गिरजाघरों में पहुंचना शुरू कर दिए थे। रात 9 बजे से अनुष्ठान शुरू हो गए थे। मुख्य आयोजन नावापारा गिरजाघर में आयोजित किया गया। यहां काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। रात 12 बजते ही गिरिजाघर का घंटा बजते ही लोग प्रभु यीशु का जन्मोत्सव मनाने में जुट गए। आतिशबाजियां शुरू हो गईं। गिरिजाघरों सहित समाज के लोगों ने अपने-अपने घरों में केक काटा और जश्न मनाया। इसके बाद बधाई का सिलसिला शुरू हो गया।

मसीही समाज का सबसे बड़ा पर्व क्रिसमस धूमधाम से मनाया गया। इसकी तैयारी पूर्व से की गई थी। मसीही समाज के लोग अपने-अपने घरों को क्रिसमस पर्व पर आकर्षक लाइट व एक्समस ट्री से सजाए थे। वहीं अपने-अपने घरों में भी आकर्षक चरनी तैयार किए थे। चरनी को भी आकर्षक लाइट से सजा रखा था। वहीं रात 12 बजते ही प्रभु यीशु का जन्मोत्सव मनाया गया। मुख्य आयोजन नवापारा स्थित महागिरजा घर में आयोजित किया गया। यहां काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। बिशप अंतोनिस बड़ा की अगुवाई में परंपरागत ढंग से विविधि धार्मिक अनुष्ठान कराए गए। व्हीकल जनरल फादर विलियम उर्रे, पुरोहित फादर जार्ज ग्रे कुजूर के नेतृत्व में सारी तैयारी की गई थी। वहीं जिला मुख्यालय अंबिकापुर के अलावा मैनपाट, सीतापुर, बतौली, लुण्ड्रा, उदयपुर, दरिमा में भी गिरजाघरों में क्रिसमस का त्योहार धूमधाम से मनाया गया।

## प्रभु यीशु के जन्म पर गिरिजाघरों में हुए विशेष धार्मिक अनुष्ठान

### लोगों ने दी एक दूसरे को बधाई

रात 12 बजे जैसे ही गिरिजाघरों का घंटा बजा लोग जश्न में डूब गए। बिशप अंतोनिस बड़ा की अगुवाई में प्रभु यीशु का जन्मोत्सव मना। इसके साथ ही लोगों ने केक काटा और आतिशबाजी शुरू कर दी। इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए। वहीं मसीही समाज के लोग पूरी रात नाचते-गाते नजर आए। नवापारा गिरिजाघर के अलावा बिशप हाउस में क्रिसमस को लेकर चरनी आकर्षक ढंग से सजाए गए थे। क्रिसमस ट्री, विशेष लाइटिंग से चरनी जगमगा रहा था। 24 दिसंबर की रात 12 बजते ही लोगों ने केक काट कर जश्न मनाया और एक दूसरे को बधाइयां दीं। वहीं श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए गिरिजाघरों में विशेष व्यवस्था की गई थी।

# उच्च न्यायालय के आदेश पर जर्जर मकान को सील करने निगम अमला पहुंचा विलंब से नहीं हो पाई पूरी कार्यवाही

- » अब छुट्टी के बाद कार्रवाई करने का दिया आश्वासन
- » 10 साल से अपने जर्जर भवन को खाली कराने के लिए पीड़ित न्याय की लग रहा गुहार
- » उच्च न्यायालय की शरण पर पहुंच पीड़ित,वहां से सील करने की मिली अनुमति फिर भी नगर निगम एक दिन में नहीं के पाया जर्जर मकान सील

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

निगम की कार्यवाही भी भगवान भरोसे जैसे ही है, जब द्वेष पूर्ण कार्यवाही के तहत तोड़ना होता है तो ना तो छुट्टी देखी जाती है ना समय देखा जाता है, पर कहीं नियम से तोड़ना या सील करना होता है तो लेट लतीफी कारवाई देखी जाती है, कुछ ऐसा ही अंबिकापुर नगर निगम में देखने को मिला जब पीड़ित के द्वारा अपने जर्जर मकान को खाली कारने व सील करने के लिए उच्च न्यायालय जाना पड़ा और उच्च न्यायालय के आदेश के बाद निगम ने सुध ली पर पहुंची भी तो दोपहर के 2:30 बजे और 5:00 बजे छुट्टी बता कर आधी अधूरी कार्यवाही छोड़कर चलती बनी, जिसे लेकर आवेदक का आरोप है कि निगम अमला किसी के प्रभाव में तो आधी अधूरी कार्यवाही करके नहीं चला गया?

आवेदक यशोदा कश्यप व राकेश कश्यप ने जानकारी देते हुए बताया कि अंबिकापुर इमलीपारा में उनका एक पुराना घर है जो काफी जर्जर हो चुका है जिसे तोड़कर वह नया घर बनाना चाहते हैं, जिसके लिए अंबिकापुर निगम को काफी साल पहले आवेदन दिया गया था पर कोई कार्यवाही न होने की वजह से उन्हें न्यायालय का शरण लेना पड़ा, न्यायालय के द्वारा 9 अक्टूबर 2024 को नगर निगम अंबिकापुर को आदेश पारित किया गया कि इमलीपारा स्थित भूमि पर बने जर्जर मकान को तोड़ा जाए, जबकि इसके लिए महापौर परिषद की बैठक भी की गई थी, बैठा 2014 में हुई जिसमें जर्जर मकान होना पाया गया फिर इसकी बैठक 2022 में हुई जिसमें भी जर्जर मकान होना पाया गया, पर इसके बाद भी कार्यवाही नहीं हुई थी पर अब जब उच्च न्यायालय का आदेश आया इसके बाद कार्यालय नगर पालिका निगम अंबिकापुर के द्वारा 19 दिसंबर 2024 को आदेश पारित किया गया की 24.12.2024 को जर्जर मकान तोड़ने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, इसके बाद कार्यवाही करने पहुंची टीम ने आने में काफी विलंब कर दिया जर्जर मकान को खाली नहीं करा सकी, तकरीबन हुए ढाई बजे पहुंची, कुछ देर बहस में निकल गए और कुछ देर की ही कार्यवाही हो पाई और फिर 5:00 बजे वह यह कह दिए की शाम होने की वजह से हम आगे की कार्रवाई नहीं कर सकते क्योंकि यह कार्रवाई नियम विरुद्ध होगी, पर सवाल यह उठता है कि जब द्वेष पूर्ण कार्यवाही करनी होती है तो ना समय देखा जाता है और ना ही दिन देखा जाता है, कार्रवाई हो जाती है पर वही जब नियम से कार्रवाई करनी होती है तो फिर लेट लतीफी क्यों होती है?

### माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर के पारित आदेश पर कार्यवाही करने पंहुचा अमला

माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर के में पारित आदेश पर नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर क्षेत्रांतर्गत इमलीपारा स्थित भूमि प्लाट नं. 1003/8, 1003/9 में पुराना निर्मित भवन जो भयप्रद एवं जर्जर स्थिति में है। उक्त भवन को मानव अधिवास हेतु महापौर परिषद् की बैठक दिनांक 25.02.2022 के तहत् अनुपयुक्त घोषित किया गया है। जिसमें निवासरत् अधिवासियों को भवन का उपयोग न किये जाने एवं नगर पालिक निगम, अधिनियम 1956 की धारा 309 (1) के तहत् भवन से हटने एवं हटाने योग्य संपत्ति हटाये जाने हेतु बार बार सूचित किया गया है किन्तु उक्त भवन से अधिवासी नहीं हटते हुये भवन का निरंतर उपयोग किया जा रहा है। माननीय उच्च न्यायालय के संदर्भित आदेशानुसार नियमानुसार भवन से अधिवासियों को हटाये जाने की कार्यवाही किया जाना है। दल गठित कर आपको आदेशित किया है दिनांक 24.12.2024 को अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं नगर निरीक्षक थाना अम्बिकापुर से संपर्क कर कार्यपालिक दण्डाधिकारी एवं पुलिस बल प्राप्त कर अधिनियम की धारा 309 (2) के तहत् उक्त भवन के अधिवासियों को भवन से अलग कर प्रश्नाधीन भवन एवं जर्जर परित्तर को सील कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

# दो पाकिस्तानी पायलटों ने फर्जी डिग्री के आधार पर वर्षों तक की PIA की नौकरी,एफआईए का खुलासा

लाहौर,24 दिसम्बर 2024। पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने मंगलवार को खुलासा किया कि दो पाकिस्तानी पायलटों ने फर्जी डिग्री के आधार पर पीआईए में वर्षों तक सेवा दी थी। एफआईए ने कहा कि कशान एजाज डोधी ने 1995 और मोहसिन अली ने 2006 में पीआईए में नौकरी शुरू की थी। लेकिन 2022 में एक ऑडिट में खुलासा हुआ था कि पीआईए के कई कर्मचारी फर्जी डिग्री के आधार पर नियुक्त किए गए हैं। जांच के दौरान एफआई ने दोनों पायलटों डोधी और अली की डिग्री को फर्जी पाया था। डोधी ने 2019 और अली ने 2014 में पीआईए से इस्तीफा दे दिया था।

एक अधिकारी ने बताया कि एफआईए ने डोधी, अली, एयर होस्टेस नाजिया नाहिद और डाटा ऑपरेटर आरिफ तरार के खिलाफ फर्जी डिग्री के आधार पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयर लाइंस (पीआईए) में नौकरी पाने के आरोप में मामला दर्ज किया था। अधिकारी ने बताया कि सोमवार को इन चारों ने एफआईए की विशेष अदालत में माना कि उन्होंने अपनी फर्जी डिग्री जमा की थी, ताकि पीआईए में नियुक्त या पदोन्नति हासिल कर सकें। आरोपियों ने अपराध को अपने दर्ज बयानों में भी स्वीकार किया।

एफआईए की विशेष अदालत के जज तनवीर अहमद शेख ने आदेश दिया कि कोर्ट के उठने तक सभी आरोपियों को जेल भेजा जाए। अदालत आरोपियों पर विभिन्न प्रकार के जुर्माने लगाए। 2020 में पाकिस्तान के तत्कालीन विमानन मंत्री सरवर खान ने खुलासा किया था कि पाकिस्तान पायलटों के लाइसेंस संदिग्ध हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के शासनकाल में 2008 से 2018 के बीच 458 कर्मचारियों को फर्जी शैक्षिक डिग्रियों और संदिग्ध लाइसेंस के आधार पर नियुक्त किया गया था, जिनमें पायलट और इंजीनियर भी शामिल थे। इसके बाद कई अंतरराष्ट्रीय विमानन एजेंसियों ने मंत्री के इस बयान का संज्ञान लिया और कई पाकिस्तानी मूल के पायलटों को अपनी उड़ानों से हटा दिया। यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) और ब्रिटेन के अधिकारियों ने भी पीआईए को यूरोप में उड़ाने भरने से रोक दिया था।

# यूनिसेफ द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय 'नोनी जोहर'3.0 कार्यक्रम में सरगुजा के स्वयं सेवकों ने भाग लिया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

नोनी जोहार कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को मानसिक रूप से मजबूत बनाना और उन्हें समाज में सशक्त बनने हेतु प्रेरित करना।

यूनिसेफ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय दो दिवसीय नोनी जोहार कार्यक्रम में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस को ध्यान में रखते हुए विभिन्न जिलों से आए सक्रिय स्वयंसेवकों को कई महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया । कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों की जानकारी मिली साथ ही उन्हें मानसिक रूप से कैसे मजबूत रहें इस पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उभरते कलाकार सुश्री आरू साहू, छत्तीसगढ़ी लोक गायिका ने अपनी कम उम्र में सफलता की यात्रा के बारे में बताई ,भारतीय क्रिकेटर अजय मंडल जी ने स्वयंसेवकों को खेल के माध्यम से अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित किया,इसके अलावा बॉलीवुड अभिनेत्री अरूणिता झा ने अपनी फिल्म आश्रम की कहानी पर प्रकाश डालते हुए अपने जीवनी को साझा किया। भिलाई आईआईटी के तकनीकी विशेषज्ञों ने ग्रीन जॉब्स पर पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी और इसी प्रकार अन्य मोटिवेशनल स्पीकरों द्वारा स्वयं सेवकों को अपने अपने महत्वपूर्ण अनुभव एवं शब्दों से प्रोत्साहित किया ।इसके अलावा कार्यक्रम में पोषण,स्वास्थ्य,माहवारी स्वच्छता, एनीमिया ,कुपोषण ,बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ के साथ-साथ शासन की विभिन्न योजनाओं पर भी चर्चा की गई ।सैकड़ो स्वयं सेवकों ने इन महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्राप्त की और यहां से जाकर अपने-अपने जिले के समुदायों में जन जागरूकता अभियान करने के लिए प्रतिबद्ध हुए। इस कार्यक्रम में सरगुजा जिले से स्वयंसेवक आस्था अग्रवाल ,संतोषी प्रधान ,शिवम शर्मा ,विश्वजीत कुमार एवं जिला समन्वयक श्रीमती ममता चौहान शामिल हुए। इस कार्यक्रम में युवाओं को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया है।

# पाकिस्तान की कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने का जायज कारण नहीं, अमेरिका पर भड़के शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद, 24 दिसम्बर 2024। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम का बचाव किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा पाकिस्तान की चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगाना उचित नहीं है। अमेरिकी प्रशासन ने हाल ही में बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में शामिल होने का आरोप लगाकर हाल ही में पाकिस्तान की चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं।

अमेरिका ने जिन चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं, उनमें पाकिस्तान की सरकारी एयरोस्पेस और रक्षा एजेंस %नेशनल डेवलपमेंट कॉम्पलैक्स% (एनडीसी) भी शामिल है। इन कंपनियों पर आरोप है कि ये पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में योगदान दे रही थीं। इन चार कंपनियों में एनडीसी के अलावा तीन अन्य कंपनियां अख्तर एंड संस प्राइवेट लिमिटेड, अफिलिएट्स इंटरनेशनल और रॉकसाइड एंटरप्राइज शामिल हैं। इन तीनों कंपनियों का मुख्यालय कराची में हैं। जबकि एडीएसी का मुख्यालय इस्लामाबाद में है।

संघीय मंत्रिमंडल की एक बैठक के दौरान शरीफ ने कहा, %हमारी नेशनल डेवलपमेंट कॉम्पलैक्स और अन्य संस्थाओं पर जो प्रतिबंध लगाए गए हैं, उनका कोई जायज कारण नहीं है।% उन्होंने कहा, %पाकिस्तान का यह इरादा बिल्कुल नहीं है कि हमारी परमाणु प्रणाली आक्रामक हो। यह सौ फीसदी पाकिस्तान की रक्षा के लिए है। यह केवल एक प्रतिरोधक क्षमता है और कुछ नहीं।% उन्होंने कहा, %अल्लाह न करे...पाकिस्तान के खिलाफ कोई आक्रामक कार्रवाई होती है, तो पाकिस्तान का बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम अपनी रक्षा के लिए है।%

इससे पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने एनडीसी और तीन अन्य कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों को %दुर्भावनापूर्ण और पक्षपाती% करार दिया था। शहबाज शरीफ ने कहा, %विदेश मंत्रालय ने इस पर विस्तार से प्रतिक्रिया दी है और यह स्पष्ट किया है कि मिसाइल कार्यक्रम देश का है। यह उनके लिए (जनता) दिल से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है और इस पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर राष्ट्र एकजुट है।

# ग्रामीण की सडक़ किनारे मिली लाश, ठंड से मौत की आशंका

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के रानी बगीचा के पास मंगलवार की सुबह सडक़ किनारे एक अधेड़ व्यक्ति की अकड़ी हुई लाश मिली है। ठंड से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चल सकेगा। रघुनाथपुर चौकी क्षेत्र के ग्राम सुमेरपुर, चेंद्रा निवासी बिंदु पैंकरा 56 वर्ष जंगल से जलावन वाली लकडियां काटकर बेचता था। सोमवार की दोपहर करीब 1 बजे वह लकडिय़ां बेचने निकला था, लेकिन रात तक घर नहीं लौटा। परिजन उसकी खोजबीन में जुटे थे। इसी बीच मंगलवार की सुबह उसकी लाश कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एनच-43 से लगे रानी बगीचा के पास राहगीरों ने देखी। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पीएम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया। वहीं कुछ ग्रामीणों ने शव देखकर उसकी पत्नी को सूचना दी। सूचना मिलते ही पत्नी व अन्य परिजन घटनास्थल व अस्पताल पहुंचे।ग्रामीण की ठंड से मौत की आशंका जताई जा रही है। इन दिनों सरगुजा जिले में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इस बीच उसने सिर्फ टी-शर्ट व जींस पहन रखा था। बताया जा रहा है कि उसने शराब भी पी रखी थी। उसका अकड़ा हुआ शरीर देख लोग ठंड से मौत की बात कह रहे हैं। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चल सकेगा।

# राज्यस्तरीय नोनी जोहर कार्यक्रम में सरगुजा के स्वयं सेवकों ने लिया भाग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

यूनिसेफ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय दो दिवसीय नोनी जोहार कार्यक्रम में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस को ध्यान में रखते हुए विभिन्न जिलों से आए सक्रिय स्वयंसेवकों को कई महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों की जानकारी मिली साथ ही उन्हें मानसिक रूप से कैसे मजबूत रहें इस पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उभरते कलाकार आरू साहू, छत्तीसगढ़ी लोक गायिका ने अपनी कम उम्र में सफलता की यात्रा के बारे में बताई, भारतीय क्रिकेटर अजय मंडल ने स्वयंसेवकों को खेल के माध्यम से अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा बॉलीवुड अभिनेत्री अरूणिता झा ने अपनी फिल्म आश्रम की कहानी पर प्रकाश डालते हुए अपने जीवनी को साझा किया। भिलाई आईआईटी के तकनीकी विशेषज्ञों ने ग्रीन जॉब्स पर पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी और इसी प्रकार अन्य मोटिवेशनल स्पीकरों द्वारा स्वयं सेवकों को अपने अपने महत्वपूर्ण अनुभव एवं शब्दों से प्रोत्साहित किया। इसके अलावा कार्यक्रम में पोषण, स्वास्थ्य, माहवारी स्वच्छता, एनीमिया, कुपोषण, बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ के साथ-साथ शासन की विभिन्न योजनाओं पर भी चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में सरगुजा जिले से स्वयंसेवक आस्था अग्रवाल ,संतोषी प्रधान ,शिवम शर्मा ,विश्वजीत कुमार एवं जिला समन्वयक ममता चौहान शामिल हुए।

# होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज में पूर्व छात्र मिलन समारोह का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. (सि. ) शांता जोसेफ के निर्देशन एवं 1997 बैच की छात्राओं के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य ने सभी पूर्व छात्राओं का स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। अपूर्वा दीक्षित, मानसी सिंह एवं साथियों ने नृत्य की अप्रतिम प्रस्तुति दी, जबकि पूर्व छात्राएं अनु चक्रवर्ती, वर्षा शर्मा ने नृत्य गीत की भावासिक्त प्रस्तुति दी।

पुष्पा सिंह, पूनम सिंह, रेखा जायसवाल, जयमाला सिंह, नीना उपाध्याय, प्रीति सोनी, श्रेया शुक्ला प्रिया डॉ .कल्पना गुहा आदि पूर्व छात्राओं ने महाविद्यालय के अपने अनुभव साझा किए। 1997 बैच की छात्राओं द्वारा प्राचार्य को महाविद्यालय के लिए उपहार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रज्ञा सिंह, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी ने किया, जबकि कार्यक्रम का संयोजन ममता कश्यप, सहायक प्राध्यापक, रसायन शास्त्र ने किया। कार्यक्रम के माध्यम से होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज ने अपनी पूर्व छात्राओं के साथ जुडऩे और उनके अनुभवों को साझा करने का अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक पूर्व छात्राएं, वर्तमान छात्राएं उपस्थित रहीं।

# विषय गन्ना कृषको के प्रोत्साहन राशि में हो वृद्धि

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मां महामाया शक्कर कारखाना की स्थापना 2007 में भाजपा शासन काल में की गई थी। जिसका उद्देश्य गान्ना उत्पादक किसानों के आर्थिक स्थिति में सुधार लाना था। जिसमें सफलता भी मिली फल स्वरुप गान्ना किसान आर्थिक रूप से सुदृढ़ हुये परंतु 5 वर्षों में पूर्व कांग्रेस शासन कल में गन्ना किसानों की अनदेखी की गई जिसकी वजह से गन्ना मूल में अन्य फसलों की अपेक्षा उचित वृद्धि नहीं हुई। जबकि क्षेत्र में अन्य फसलों की अपेक्षा गन्ना फसल की उपज अधिक साथ ही इस फसल जोखिम कम है। शक्कर कारखाना लगने से किसान परिवार स्थानीय हजार ऑन बेरोजगार युवकों को रोजगार भी प्राप्त हुआ है। अतः आपसे निवेदन है की केंद्र सरकार के उचित एवं लाभकारी मूल्य को जोडक़र कम से काम गन्ना का मूल प्रोत्साहन राशि सहित?500 प्रति कुंटल करने का कष्ट करें वित्त मंत्री इसका ज्ञापन को सोते समय भारतीय किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष माधव सिंह प्रदेश संगठन मंत्री तुलाराम जी प्रदेश कोषाध्यक्ष गजानन जी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य किशोर सिंह बघेल जिला अध्यक्ष सरगुजा रुक्मणी सिंह महिला जिला प्रमुख अनीता जयसवाल जिला युवा प्रमुख महेश्वर यादव राजेश राजवाड़े जीवंत राम नरेंद्र बारी धीरज शर्मा मुनेश्वर राजवाड़े लोकनाथ राजवाड़े प्रफुल्ल राजवाड़े छोटू मानिकपुरी मनोज जिला मंत्री डुमराव सिंह उपस्थित थे।

# मोबाइल चोरी के मामले में युवती गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मोबाइल चोरी के ममले में मणिपुर पुलिस ने एक युवती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने युवती के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार सुनीताा पैकरा जिला अस्पताल रोड मणिपुर में रहती है। वह 4 अगस्त को घर का दरवाजा खुला छोडक़र सो गई थी। इस दौरान वह अपना मोबाइल बिस्तर पर ही रखी थी। इस बीच किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल चोरी कर ली गई थी। सुनीता ने मामले की रिपोर्ट 8 अगस्त को मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। विवेचना के दौरान पुलिस चार माह बाद आरोपी प्रेमा कुमारी उर्फ जोया साहू उम्र 23 वर्ष निवासी दर्रीपारा ग्रामीण बैंक के पास थाना मणीपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके कब्जे से चोरी की मोबाइल जब्त की है। पुलिस ने युवती के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

# दरिमा क्षेत्र से धान खरीद बिचौलिए उपार्जन केंद्र में खपा रहे धान

- संवाददाता -
लखनपुर,24 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में इन दिनों बिचौलिए सक्रिय नज़र आ रहे हैं। बिचौलिए राइस मिलों और दुकान से धान खरीदी कर रात के अंधेरे में पिकप, ट्रक, अन्य वाहनों में धान लाकर उपार्जन केंद्रों में किसानों के नाम पर धान बेच सरकार को करोड़ों रुपए का चूना लगा रहे। कुछ ऐसा ही मामला लखनपुर क्षेत्र में देखने को मिला। जहां बिचौलिए रात के अंधेरे में दारिमा क्षेत्र के राइस मिलों और दुकानों से धान खरीदी कर पिकप, ट्रक व अन्य वाहनों से लखनपुर क्षेत्र के अमदला, तुरना, तुनगुरि बैलखरिखा मलगवा, चांदो शोयदा कुसु, सहित अन्य ग्रामों में लाया के जा रहा है।और बिचौलिए क्षेत्र के भोले भाले किसानों के नाम पर धान उपार्जन केंद्र में बेचकर मोटी और गाढ़ी कमाई कर रहे है। और छत्तीसगढ़ सरकार को करोड़ों रुपए की आर्थिक क्षति पहुंचाने का कार्य बिचौलिए कर रहे हैं। प्रशासनिक टीम के द्वारा अगर सूक्ष्म जांच की जाती है तो कई बिचौलियों के नाम सामने आ सकते हैं। सूत्रों की माने तो बिचोलीये दारिमा क्षेत्र के राइस मिलो और दुकानों से धान खरीदी कर रात के अंधेरे में वाहनों से अवैध रूप से परिवहन कर किसानों के घर में गिरा दिया जाता है सुबह होते ही बिचौलिए लखनपुर क्षेत्र के चांदो,अमेरा, अमलमिट्टी, पुहपुटरा धान उपार्जन केंद्रों में खपाया जा रहा है। गौरतलब है कि विगत वर्ष पूर्व भी उपार्जन केंद्र अमल भित्ति और पुहपुटरा में प्रशासनिक टीम के जांच के दौरान लाखों रुपए के धान उपार्जन केंद्रों से गायब मिले थे जिसे लेकर प्रशासनिक टीम ने पूर्व में कार्यवाही भी की गई थी। प्रशासनिक टीम के द्वारा अगर इन क्षेत्रों की सूक्ष्म जांच की जाए तो धान अफरा तफरी के कई मामले सामने आ सकते हैं। प्रशासन को चाहिए कि इन बिचौलियों पर कठोर से कठोर करवाई करे और धान के अफरा तफरी पर अंकुश लगाये।

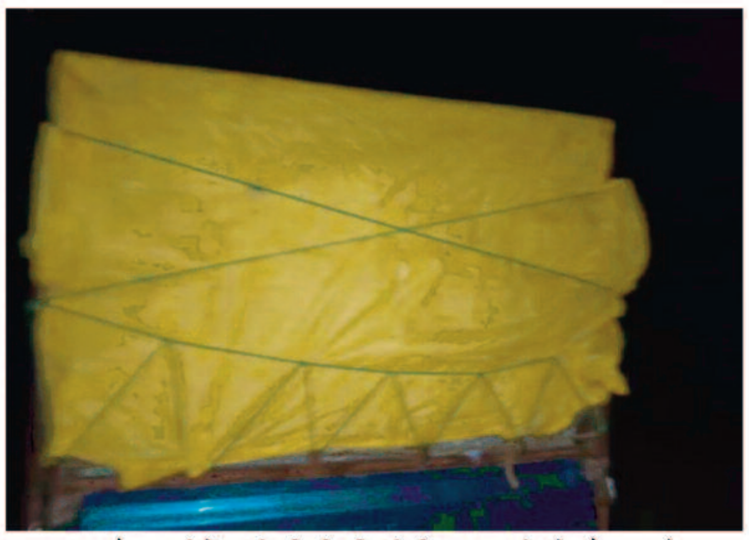

खाद्य निरीक्षक एल.पी. वर्मा के द्वारा फोन के माध्यम से बताया गया कि रात में जो बिचौलिए गाड़ी से अवैध धान परिवहन कर रहे हैं पकड़े जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी

CMYK

# हुआ बदलाव,अभी तक नहीं पहुंच पा रहा गोबरी से कॉलोनी तक पानी

## शिवपुर चरचा नगर पालिका अध्यक्ष के भाई कर रहे हैं पानी पाइपलाइन का काम

**...इप दे रही एसईसीएल... ...गाने का जिम्मा ठेकेदार का...**

**...महीने पहले लगी पाइप ...इन बेकार,अब लगाया ...आई पाइप, रिसने लगा पानी, ...सईसीएल बैकुंठपुर ...त्र का है मामला**

– संवाददाता –
...रिया/कटकोना 24 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। ...ईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र के कटकोना उप क्षेत्र में चोरों की वजह से पानी की समस्या आ गई थी, गोबरी जलाशय से एसईसीएल पानी लेता है, गोबरी जलाशय से लेकर काटकोन फिल्टर प्लांट तक पाइपलाइन बिछा हुआ था, जिसे चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया, इसके बाद पिछले 2 साल से कॉलोनी में पानी की समस्या बनी हुई है, जिसे देखते हुए पाइपलाइन बदलने का काम शुरू किया गया था, पहले 12 लाख की खर्चे से पीवीसी पाइप बिछाया जा रहा था, पर यह पाइप सक्सेस नहीं हुआ और पानी की समस्या बनी रही, फिर दोबारा पीवीसी के जगह जीआई पाइप अब लगाया जा रहा है, पाइप एसईसीएल उपलब्ध करा रही है और लगाई के लिए ठेके पर दिया गया है, पहली पाइप लगाई में 12 लख रुपए खर्च हुए और अब दूसरी बार 1 लाख 98 हजार का भुकतान 7 बार किया गया ठेकेदार को, बताया जा रहा है कि ठेकेदार शिवपुर चरचा नगर पालिका अध्यक्ष का भाई हैं जिन्हें लाखो का लाभा पहुंचने के लिए एसईसीएल से दोबारा लाखों खर्च किया गया है। जानकारी के अनुसार एसईसीएल बैकुंठपुर के उप क्षेत्र कटकोना कॉलरी में गोबरी बांध से पानी ले जाने पर काम शुरू हुआ, 6 माह पूर पीवीसी पाइप के जरिए 10 किमी पाइप बिछाया गया और पानी कटकोना तक पहुंचने लगा। सूत्रों की माने इसके लिए लाखों का टेंडर हुआ था, इसी वर्ष बारिश के पूर्व पाइप लाइन बिछ गई थी और पानी कटकोना तक पहुंचने लगा था।

**6 महीने पहले लगाया गया था पीवीसी पाइप पर नहीं टिक पाया, अब फिर से लगाया जा रहा है दोबारा जीआई पाइप**

### अब जीआई पाइप का उपयोग

6 माह पूर्व लगे पीवीसी पाइप को एसईसीएल ने अब बदलने का मन बना लिया और 6 माह ही चले पाइप की जगह जीआई पाइप के सहारे कटकोना तक पाइप लाइन बिछ्वाई गई, इसमे भी लाखों रुपए खर्च का अनुमान है। बमुश्किल इतनी जल्दी पीवीसी पाइप को खराब मान कर नया पाइप लगाने के एसईसीएल के इस प्लान पर सवाल खड़े हो रहे है, पूर्व में जीआई पाइप को क्यों नही बिछाया गया, क्योंकि पीवीसी पाइप बिछाने में खर्च की गई राशि व्यर्थ हो गई।

### बिना तकनीकी के बिछाए

कटकोना तक बिछाए जीआई पाइप को बिना तकनीकी अधिकारी की मौजूदगी बिछा दिए गए और पानी शुरू कर दिया गया, जिसके बाद पाइप के हर जॉइंट से पानी रिसने लगा, जिससे पूरे 5 किमी पानी निकलता सामने दिखने लगा।

### खुदाई कर जॉइंट सुधार शुरू

बीते दो दिन से गोबरी डेम से बिछाई गई पाइप लाइन की खुदाई शुरू है और जेसीबी से पाइप के किनारे खोदा जा रहा है, फिर मजदूरों और मेकेनिकों के द्वारा जीआई पाइप को दुबारा खोला जाता है, जॉइंट में बड़ा रबर लगाया जा रहा है, ताकि अब पानी रिसना बन्द हो सके, इसमे कटकोना पहुंचने में अभी कम से कम 10 दिन और समय लगेगा। सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि एसईसीएल के काम मे किस तरह समय और पैसे की बर्बादी होती है, स्थानीय लोगो ने मामले की जांच करने की मांग उठाई और ऐसे निर्णय लेने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की बात कहीं है।

# ...सा नही देने पर मनमानी रीडिंग लिखकर बिजली काटने कि देते हैं धमकी

**...मीटर रीडिंग के नाम ...बिजली विभाग के ...चारी वसूलते हैं पैसा**

– बागी कलम –
...र (बिजुरी), 24 दिसम्बर ...24 (घटती-घटना)। ...तर्गत बिजली विभाग कि ...इन दिनों चरम पर है। मीटर ...लिए पहुंचने वाले कर्मचारी ...ट लिखने का हवाला देकर ...भोक्ताओं से खुलेआम पैसों ...करते हैं वहीं पैसा मिला तो ...ी तो मीटर रीडिंग के नाम पर ...कर्मचारी मनमाना रीडिंग ...अनाप-शनाप बिजली का ...जवा देते हैं। जिससे ना ...बिजली उपभोक्ता परेशान हो ...अपितु बिजली विभाग की ...ीयता पर भी गम्भीर सवाल उत्पन्न हो रहे हैं।

### मौहरी क्षेत्र में रीडिंग के नाम पर वसूली का खेल

विश्वसनीय जानकारों कि मानें तो बिजली विभाग द्वारा नियुक्त बतौर निजी कर्मचारी राजेश कुमार तिवारी द्वारा मीटर रीडिंग के नाम पर जहां उपभोक्ताओं को तरह-तरह का नियम कानून एवं डर बताकर मनमाना रुपयों का मांग किया जाता है वहीं गरीब उपभोक्ता इनकी बातों के जाल में फंसकर जहां पैसा दे भी देता है अगर, तब मीटर रीडिंग कर्मचारी द्वारा उनका मीटर रीडिंग कम अंकित कर उन्हे स्थाई ग्राहक बना लिया जाता है और उनका? बिजली का बिल भी कम ही आता है। वहीं कोई बिजली उपभोक्ता अगर इनकी बातों पर असहमति दर्ज कराता हैं तो समझो उसकी शामत ही आ गया। फिर यह मीटर रीडिंग कर्मचारी उक्त बिजली उपभोक्ता को अनाप-शनाप रीडिंग लिखकर उपभोक्ताओं को लम्बा-चौडा़ बिल भिजवाते हैं जिससे बिजली उपभोक्ता लगातार परेशान होते-होते अंततः इनसे पनाह मांगने पर विवश हो जाते हैं। तब कहीं जाकर यह मीटर रीडिंग कर्मचारी अपनी शर्तों पर उक्त बिजली उपभोक्ता से सांठगांठ कि सहमति दर्ज कराते हैं और तब कहीं जाकर मामला आगे बढ़ पाता है।

### क्षेत्र के उपभोक्ता हो रहे लगातार परेशान

बिजली विभाग बिजुरी में एक अपवाद यह भी है कि कार्यालय में पदस्थ इंजीनियर को आम लोगों से मुखातिब होने में परहेज है। वहीं? मीटर रीडिंग कर्मचारी नैतिक दायित्वों के नाम पर क्या-क्या गुल खिलाते हैं और उपभोक्ताओं को परेशान? करने पर अमादा रहते हैं इस बात से इंजीनियर साहब को कोई लेना-देना नही। वह सिर्फ और सिर्फ अंधेर नगरी चौपट राजा वाली कहावत को चरितार्थ करने में मशगूल हैं जिससे बिजुरी क्षेत्र के बिजली उपभोक्ता परेशान हैं।

# राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर ग्राहक जागरूकता गोष्ठी का हुआ आयोजन

– संवाददाता –
...पुर,24 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। ...य उपभोक्ता दिवस के ...पर जिला अन्तर्गत संचालित ...त्र तुलसी उत्कृष्ट ...लय में अखिल भारतीय ...चायत द्वारा जागरूकता गोष्ठी ...योजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम कि अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ.अनिल सक्सेना द्वारा राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर अपने विचार साझा किए गए। वहीं कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए पीआरटी ग्रुप आफ इंस्टिट्यूशन के संचालक व गणित के विद्वान डा. देवेन्द्र तिवारी एवं अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत अनूपपुर के जिला संयोजक रविप्रकाश शुक्ला द्वारा भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इस दौरान उन्होने कहा कि उपभोक्ताओं के अधिकारों की संरक्षण के लिए 24 दिसंबर 1986 में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम प्रभावी हुआ है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अनुसार सुरक्षा सूचना विकल्प कहना शिकायत और निवारण उपभोक्ता अधिकार के साथ ही साथ छह अधिकार प्रदान किए गए हैं। लिहाजा इस कानून ने उपभोक्ताओं को अधिकार दिया है कि उन्हें उत्पाद की गुणवत्ता शुद्धता के बारे में जानकारी मिलनी चाहिए। साथ ही सभी ने उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण के लिए बने अधिनियम को भी प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग किया गया।

### डिजिटल धोखाधड़ी से भी बचने के बताए गए उपाय

...ष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करने के दौरान अखिल भारतीय ग्राहक ...के जिला संयोजक रविप्रकाश शुक्ला ने डिजीटिली धोखाधड़ी के संदर्भ में सविस्तार जानकारी प्रदान करते ...र्क रहने कि बात कही गयी। अंततः मंच संचालन कर रहे भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर डा. सूरज पारवानी द्वारा ...ा आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन का घोषणा किया गया।

# ऐसा क्या हुआ कि नगर पंचायत पटना के लिए कांग्रेस के बनाए गए पर्यवेक्षक को मासुरमाड़ा की कांग्रेस की बैठक में खरी-खोटी सुननी पड़ी?

**नगर पंचायत पटना के चुनाव प्रभारी बनने पर पहली बार पहुंचे अशोक...तो कांग्रेसियों में दिखा आक्रोश,दोबारा करनी पड़ी बैठक**

- » दोबारा हुई यवत सिंह की अगुवाई में मासुरमाडा में बैठक,चुनाव प्रभारी अशोक जायसवाल ने कहा संगठित होना जरूरी
- » बैठक में सभी ने यवत सिंह की अगुवाई में चुनाव लड़ने का लिया फैसला
- » एक कांग्रेसी को लेकर दिखा कांग्रेसियों में आक्रोश बैठक में भी बुलाने से किया गया परहेज
- » घंटों चली बैठक में गिलेशिकवे दूर कर चुनाव जीतने पर जोर

– संवाददाता –
बैकुंठपुर,24 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।
कोरिया जिले में नवीन नगर पंचायत पटना का पहली बार चुनाव होगा, पटना नगर पंचायत के पहले चुनाव में चुनाव में कांग्रेस ने अपना अध्यक्ष बनाने के लिए सबसे पहले पर्यवेक्षक बनाकर अशोक जायसवाल को भेजा,अशोक कुमार जायसवाल को नगर पालिका चुनाव का काफी अनुभव है वह दो बार नगर पालिका चुनाव लड़ चुके हैं इस वजह से उन्हें पटना नगर पंचायत के लिए पर्यवेक्षक बनाया गया है ताकि उनके अनुभव से पटना नगर पंचायत में जीत दर्ज हो सके और कांग्रेसियों को संगठित किया जा सके, अशोक जायसवाल की वैसे भी पार्टी में छवि अच्छी है और वह जब भी जिम्मेदारी मिलती है उस जिम्मेदारी को ईमानदारी के साथ निभाते हैं इस बार भी उन्हें जिम्मेदारी मिली और इस बार भी वह निभाने के लिए पहली बार पटना पहुंचे और पटना पहुंचने के बाद उनकी पहली बैठक हनुमान मंदिर के पास हो गई इसके बाद यह बात काफी तेजी से फैल गई कि बाकी कांग्रेसियों को अपेक्षित करके बैठक वहां रखी गई और कांग्रेसियों में इस बातों को लेकर काफी आक्रोश रहा इसके बाद 22 दिसंबर को यवत सिंह की अगुवाई में मासुरमाडा मैं बैठक रखी गई इसके बाद वहां पर पर्यवेक्षक अशोक जायसवाल को काफी खरी-खोटी सुननी पड़ी कांग्रेसियों का गुस्सा का सामना करना पड़ा इसके बावजूद भी सहनशील पर्यवेक्षक अशोक जायसवाल ने कांग्रेसियों को एकजुट करने के लिए अपनी शालीनता बनाए रखी और हुई गलतियों पर उन्होंने क्षमा मांगते हुए पार्टी में संगठित रहने की ही बात कही, उन्होंने यह भी कहा कि मेरी कोई बैठक नहीं रखी गई थी बस औपचारिकता के तहत एक मुलाकात हो गई जहां पर वह मेरा पटना पहुंचना बैठक का रूप ले लिया। पूरे मामले की जो जानकारी सामने आई है उसके अनुसार अशोक जायसवाल को पटना नगर पंचायत चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपना प्रभारी बनाया है और वह इस तारतम्य में पहली बैठक लेने पटना पहुंचे और जहां पटना के ही कांग्रेसियों के साथ एक जगह उनकी बैठक हुई। बैठक के बाद वह चले भी गए लेकिन जिस जगह और जिस व्यक्ति की अगुवाई में बैठक हुई उसको लेकर बैठक के बाद आक्रोश कांग्रेसियों का फुट पड़ा और उन्होंने बैठक पुनः आयोजित करने और प्रभारी को आमंत्रित करने निर्णय लिया उसके बाद यह बैठक आयोजित हुई जो स्थान यवत सिंह का फॉर्म हाउस था।

### एक कांग्रेसी को दूसरी बैठक में नहीं किया गया आमंत्रित, किया गया उसका बहिष्कार

बताया जा रहा है कि दूसरी बैठक जो मासूरमाडा में आयोजित हुई वहां एक कांग्रेसी का बहिष्कार किया गया और उसे न बुलाने की शर्त पर ही प्रभारी को आमंत्रित किया गया। उक्त एक कांग्रेसी को लेकर सभी ने अपनी भड़ास प्रभारी अशोक जायसवाल के समक्ष निकाली।

### एकजुटता का अशोक जायसवाल ने पढ़ाया पाठ, एकजुटता से मिलेगी जीत सभी से एकजुट रहने की उन्होंने की अपील

अशोक जायसवाल ने सभी उपस्थित कांग्रेसियों से एकजुट रहने की अपील की। एकजुटता से जीत मिलेगी उन्होंने सभी को समझाया और सभी को पटना चुनाव के जीत के लिए संगठित रहने का मंत्र दिया। अशोक जायसवाल ने यह भी कहा कि संगठन और पार्टी के लिए हर व्यक्ति महत्वपूर्ण है जो पार्टी की नीति नीति को मानता समझता और उसे स्वीकार करता हो। चुनाव एकदम करीब है और गिले शिकवे भूलकर एक साथ काम करने की जरूरत है ऐसा उन्होंने उपस्थित सभी कांग्रेसियों से अपील किया।

### प्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष यवत सिंह की अगुवाई में चुनाव लड़ने का लिया गया बैठक में निर्णय

बैठक में प्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष की अगुवाई में चुनाव लड़ने का निर्णय लिया गया। बताया जा रहा है कि सर्व सम्मति से यह निर्णय स्वीकार भी किया गया कि पटना नगर पंचायत का चुनाव प्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष की अगुवाई में ही लड़ा जाएगा।

### सभी वरिष्ठ और युवा कांग्रेसी रहे बैठक में मौजूद

बैठक में वरिष्ठ और युवा सभी पटना नगर के कांग्रेसी उपस्थित थे। सभी ने अपनी उपस्थिति से बैठक में एकजुटता का परिचय दिया। अशोक जायसवाल की उपस्थिति में हुई बैठक इस मामले में सफल रही की वहां कई ऐसे कांग्रेसी भी पहुंचे जिनका आपसी तालमेल कुछ दिनों से ठीक नहीं चल रहा है।

**न्यायालय नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,**

रा.प्र.क्र./अ- 20(3) /2024-25

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अशोक कुमार सिन्हा पिता स्व0 बिन्देश्वरी प्रसाद सिन्हा एवं अन्य-4 सभी निवासी सत्तीपारा थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर- सिथत नजूल प्लाट नम्बर 594,595 रकबा क्रमशः 0.05, 0.03 एकड़ अर्थात 08 डिसमिल भूमि मेसे रकबा 04 डिसमिल भूमि को अनावेदक क्रेता रोहित मलिक आ0 स्व0 कुलदीप मलिक निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोईदावा-आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 01/01/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 23/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नज़ूल अधिकारी ,अंबिकापुर

**न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़**

रा.प्र.क्र. 202412020700148
ब-121/2024-25
प्रस्तावित नक्शा का अंतिम ईश्तहार प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प्र0क्र0 202412020700148/ब-121/2024-25 कृष्णा दास प्रति छ0ग0शासन में ग्राम हर्राटिकरा स्थित खसरा नंबर 11/1, 62/8, 62/9, 205/2, 220/17, 240/1, 385/3, 429/1 रकबा क्रमशः 0.088, 0.121, 0.137, 0.016, 0.122, 0.145, 0.113, 0.222 हे0 कुल खसरा नंबर 08 कुल रकबा 0.964 हे0 भूमि का नक्शा बटांकन कर राजस्व निरीक्षक के माध्यम से मंगाया गया। जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त नक्शा बटांकन में किसी व्यक्ति अथवा संस्था कोईआपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08/01/2025 को इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा

आज दिनांक 19/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर

C M Y K

# बैकुंठपुर के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष का फेसबुक भी बता रहा है कि वह 49 वर्षीय हैं...

## जो व्यक्ति कूट रचित दस्तावेज लगाकर मंडल अध्यक्ष बन सकता है क्या वह जिला चिकित्सालय में भी कूटरचित दस्तावेज के आधार पर ठेकेदारी कर रहा है ?

- क्या कोरिया जिले के भाजपा जिलाध्यक्ष ने भारतीय जनता पार्टी की रीति नीति पर लगाई सेंध ?
- आखिर जिलाध्यक्ष ने कौन सा दस्तावेज लेकर बैकुंठपुर का मंडल अध्यक्ष बनाया जिसमें उम्र 45 थी ?
- जब 45 वर्ष के थे तो फिर फेसबुक में उम्र 49 क्यों उल्लेखित किया नव मनोनीत मंडल अध्यक्ष ने ?
- क्या निर्धारित उम्र के नहीं थे जिलाध्यक्ष के कोई भी पसंदीदा मंडल अध्यक्ष पद के दावेदार जिस वजह से दस्तावेज में ही करवाया उम्र कम ?
- यदि बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष की उम्र 49 वर्ष तो फिर जिले भर के मंडल अध्यक्ष पद का मनोनयन दोषपूर्ण... यह स्पष्ट हो जाएगा...
- झूठी उम्र बताकर बने मंडल अध्यक्षों का मनोनयन हुआ रद्द,मध्य प्रदेश में हुई शिकायत पर पार्टी की कार्यवाही,क्या यहां भी होगी कार्यवाही ?

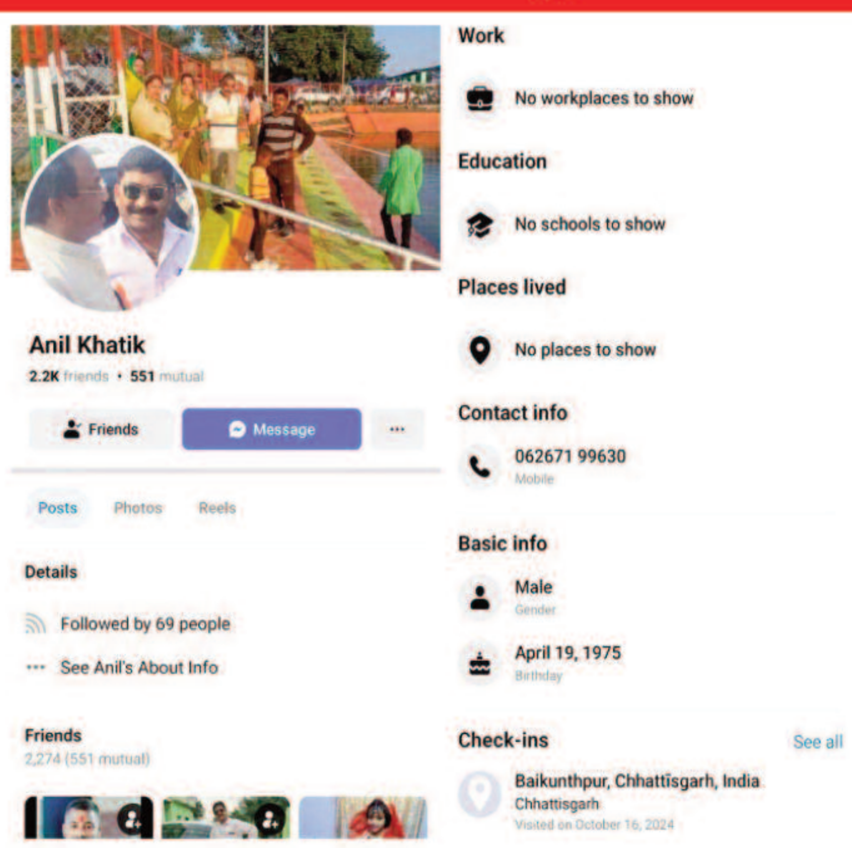

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन घटती घटना सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार अम्बिकापुर, मंगलवार 24 दिसम्बर 2024 6

क्या कोरिया जिले के बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष के मनोनयन में उम्र छिपाने कूट रचित दस्तावेज में आधार कार्ड का इस्तेमाल किया गया ?

यदि आरोप है सही...और हुई है एक जगह गड़बड़ी तो क्या होगा जिलेभर का मनोनयन निरस्त?

एक जगह यदि हुई है गड़बड़ी अन्य जगह भी फिर हुआ है खेल वह भी अंदरखाने ही लोग लगा रहे आरोप...

– जिला प्रतिनिधि –
कोरिया,24 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में भाजपा मंडल अध्यक्ष चुनाव (मनोनयन) को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है और यह सरगर्मी इसलिए बढ़ गई है क्योंकि इसबार मंडल अध्यक्ष मनोनयन के लिए तय उम्र में न फंसने की वजह से दस्तावेज में छेड़छाड़ कर मंडल अध्यक्ष बनने की शिकायत सामने आ रही है, यह मामला पूरे जिले की भाजपा की किरकिरी करवा रहा है, वहीं प्रदेश स्तर पर भी मामला पहुंचा है अंदर खाने वहां भी मंथन हो रहा है ऐसा बताया जा रहा है? पार्टी के ही अंदरखाने यह आरोप है कि कोरिया जिलाध्यक्ष ने अपनी मनमानियों की वजह से पार्टी की छवि को भी ताक पर रख दिया, और आज जब मामला खुल रहा है और उम्र को लेकर बात आ रही है तो जिलाध्यक्ष की फजीहत तो हो ही रही है, साथ ही पार्टी की भी छवि धूमिल हो रही है। ऐसी क्या जरूरत आन पड़ी थी कि जब जिलाध्यक्ष दस्तावेज को लेकर संतुष्ट नहीं थे तो फिर ऐसा मंडल अध्यक्ष क्यों बनाया? और यदि मंडल अध्यक्ष उन्होंने सही तरीके से बनाया तो आखिर ऐसा कौन सा दस्तावेज लिया जिसमें उम्र मंडल अध्यक्ष की 45 थी? वहीं उन्होंने यदि आधार को उम्र का प्रमाण पत्र न भी माना तो भी उम्र के प्रमाण पत्र के लिए भाजपा ने कौन सा दस्तावेज लिया? जिससे यह प्रमाणित हो गया कि उनका बनने वाला मंडल अध्यक्ष 49 का नहीं 45 की उम्र का है? अब यह बात रायपुर तक पहुंच गई है अब भारतीय जनता पार्टी के कोरिया जिलाध्यक्ष को यह जवाब देना है कि आखिर आपने ऐसा कौन सा दस्तावेज लिया कि आपके द्वारा बनाया गया मंडल अध्यक्ष पात्र निकला और उसका सूची में नाम भेजा गया? वहीं यदि जिले के एक मंडल अध्यक्ष के मनोनयन में इतनी बड़ी भर्राशाही हुई तो फिर जिलेभर के मंडल अध्यक्ष के मनोनयन में दोषपूर्ण प्रणाली का आरोप क्यों सही नहीं माना जाए? क्यों इसे सत्य न माना जाए? कुल मिलाकर यदि बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष का मनोनयन दोषपूर्ण प्रणाली और कूट रचित दस्तावेज के आधार पर किया गया तो अन्य में भी पात्र की जगह अपात्र का मनोनयन नहीं किया गया? यह क्यों न माना जाए? वैसे मध्यप्रदेश में इस तरह की शिकायत पर 100 जगह के मनोनयन को रद्द कर दिया गया है कार्यकर्ताओं के सम्मान का ध्यान रखा गया है यह बात सामने आ रही है। वैसे मध्यप्रदेश की तरह क्या यहां भी अब प्रदेश भाजपा की तरफ से ऐसा कोई निर्णय आयेगा जो दोषपूर्ण मनोनयन को रद्द करते हुए पुनः मनोनयन की प्रक्रिया के पालन के लिए तय निर्णय होगा यह देखने वाली बात होगी?

### फेसबुक में भी बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष 49 वर्षीय

बैकुंठपुर के नव मनोनीत मंडल अध्यक्ष की उम्र 49 वर्ष है और पार्टी की तरफ से जारी निर्देश के अनुसार मंडल अध्यक्ष की उम्र 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। मंडल अध्यक्ष की उम्र की शिकायत एक व्यक्ति ने की है और उसने आधार कार्ड उपलब्ध करवाकर यह बताया है कि मंडल अध्यक्ष की उम्र 49 वर्ष है 45 नहीं। दैनिक घटती-घटना ने निष्पक्ष खबर प्रकाशन के अपने कर्तव्य अनुसार खबर का प्रकाशन किया और उक्त शिकायतकर्ता के आग्रह पर जो नाम उजागर न करने का आग्रह था को स्वीकार कर खबर का प्रकाशन किया। खबर प्रकाशन उपरांत जिला भाजपा कार्यालय में खलबली मची और वहां से यह जानकारी मिली कि अब यह कहा जा रहा है कि आधार कार्ड में उम्र का उल्लेख गलत है। अब यदि इस बात को सही माने की आधार कार्ड में गलत अंकित हुआ है उम्र बैकुंठपुर मंडल अध्यक्ष का तो फेसबुक के उनके उम्र की जानकारी को क्या माने। फेसबुक में भी मंडल अध्यक्ष की उम्र 49 ही उल्लेखित है।

जो आधार कार्ड में लिखा है वहीं फेसबुक में लिखा है यही फिलहाल अंतिम सत्य है जो नजर आ रहा है।

### जिला चिकित्सालय में क्या ठेकेदारी भी कूट रचित दस्तावेज के आधार पर कर रहे हैं मंडल अध्यक्ष?

मंडल अध्यक्ष बैकुंठपुर मनोनीत हुए व्यक्ति की ठेकेदारी जिला चिकित्सालय में चल रही है। ठेकेदारी के लिए भी पैन कार्ड आधार कार्ड जैसे दस्तावेज जरूरी होते हैं, क्या जिला चिकित्सालय के ठेकेदारी कार्य में जो दस्तावेज मंडल अध्यक्ष ने लगाए हैं वह भी कूट रचित हैं। उम्र मामले में अब कई तरह की जांच की मांग शिकायत करने वाले कर रहे हैं। क्या अब मंडल अध्यक्ष के उम्र संबंधी दस्तावेजों की जांच पार्टी करवाएगी यह बड़ा सवाल है।

### मध्यप्रदेश में निरस्त हुआ सैकड़ों मनोनयन

मध्यप्रदेश में सैकड़ों मनोनयन निरस्त हुआ है ऐसा बताया जा रहा है जैसा बताया जा रहा है उसके अनुसार उम्र जहां भी मनोनयन में मंडल अध्यक्षों का अधिक मिला वहां तत्काल निरस्त किया गया मनोनयन। मनोनयन निरस्तीकरण की संख्या 100 तक मध्यप्रदेश की है ऐसी जानकारी सामने आई है। अब सवाल यह उठता है कि क्या यहां भी ऐसा ही होगा,मनोनयन निरस्त होगा?

### मंडल अध्यक्षों के मनोनयन में हुई थी पूर्व सेटिंग,यह भी लग रहा आरोप,उम्र का मामला पहले ही आया था सामने,मामले को छिपाने हुई थी तैयारीःसूत्र

कोरिया जिले के मंडल अध्यक्षों के मनोनयन में सब कुछ पहले तय हो चुका था और गड़बड़ियों को छिपाने की तैयारी भी हो चुकी थी यह सूत्रों का दावा है। बताया जा रहा है कि मंडल अध्यक्ष बैकुंठपुर के लिए जो नाम तय हुआ उनके उम्र का मामला भी सामने आ चुका था और उसे भी छिपाने पूरी तैयारी पहले की गई। कुल मिलाकर यदि सूत्रों की बात सही है तो अपने हिसाब से एक पैनल का निर्माण किया गया कुछ वरिष्ठ भाजपाइयों द्वारा और इस बीच उन्हें तैयार किया मंडल अध्यक्ष पद के लिए जो हां में हां मिला सकें विरोध न करें। बताया जा रहा है कि कई शर्तों पर जो खरा उतरा उन्हें मंडल अध्यक्ष बनाया गया पारदर्शी होने की बजाए मनोनयन पूर्व निर्धारित था और कर्मठ और पात्र को अपात्र करने की रणनीति से युक्त था।

# क्या वर्तमान थाना प्रभारी के रहते हुए नहीं बंद होगा एस कुमार का जुआ फड़ ?

- जगह बदल बदलकर एस कुमार का संचालित हो रहा है जुआ फड़।
- कोरिया व सूरजपुर का सरहदी क्षेत्र बना हुआ है एस कुमार के जुआ फड़ संचालन का केंद्र।
- पिछले एक हफ्ते से सूरजपुर,रामानुजनगर व पटना क्षेत्र में संचालित हो रहा है जुआ फड़।
- वर्तमान में एस कुमार का जुआ फड़ का अड्डा बना हुआ है पटना थाना क्षेत्र का बॉसबाड़ीःसूत्र

– न्यूज डेस्क –
कोरिया/सूरजपुर/मनेन्द्रगढ़ 24 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एस कुमार द्वारा अन्तरर्राज्यीय स्तर पर संचालित किया जा रहा है जुआ फड़, सवाल यह उठता है कि आखिर क्या जब तक पटना थाना के वर्तमान थाना प्रभारी रहेंगे तब तक यह अंतर्राज्यीय जुआ फड़ संचालित होता रहेगा? यह सवाल इसलिए हो रहा है क्योंकि एस कुमार द्वारा पटना थाना के अंतर्गत जगह बदल-बदल कर जुआ फड़ संचालित किया जा रहा है,पहले क्रेशर और अब उसका जुआ संचालन का अड्डा बना हुआ है बांसबाड़ी, इससे पहले रामानुजनगर थाने के अंतर्गत नकना बकना व सूरजपुर थाने के अंतर्गत केतका के जंगल में जुआ फड़ संचालित किया गया था। पुलिस के ही सहयोग व दिमाग से वह जगह बदल-बदल कर जुआ फड़ संचालित कर रहा है ऐसा सूत्रों का दावा है, पुलिस के लोग भी मिले हुए हैं सूरजपुर के स्पेशल टीम के भी कुछ कर्मचारी मिले हुए हैं। जिनके सहयोग से बड़े पैमाने पर एस कुमार जुआ फड़ संचालित कर रहा है और यही वजह है कि एस कुमार तक पुलिस नहीं पहुंच पा रही है। एस कुमार के जुआ फंड बंद करने के लिए अब आईजी स्तर से ही टीम बनाने की आवश्यकता है,ताकि सूरजपुर,कोरिया,मनेंद्रगढ़ में चल रहे जुआ फड़ पर कार्रवाई हो सके। स्थानीय पुलिस से कार्यवाही की उम्मीद नहीं की जा सकती क्योंकि पुलिस के लोग ही इसमें मिले हुए बताए जा रहे हैं जिस वजह से बात लीक हो जाती है और कार्यवाही नहीं हो पाती।

### ऐसे में सरकार का अवैध कारोबार बंद करने का दावा कैसे होगा पूरा ?

प्रदेश सरकार का दावा है कि प्रदेश में अवैध कारोबार वह नहीं होने देगे वहीं यदि एस कुमार के जुआ फड़ो की बात की जाए तो वह लगातार जारी है। एस कुमार का जुआ फड़ जगह बदल बदलकर जारी है। कभी सुरजपुर,कभी कोरिया वह भी कोरिया के पटना थाना क्षेत्र में लगातार उसका जुआ फड़ संचालित होता आ रहा है। कई बार खबर प्रकाशन उपरांत कार्यवाही भी हुई और हाल ही में पटना क्षेत्र में हुई एक कार्यवाही के बाद सवाल भी उठे कि कार्यवाही प्रायोजित थी और सूचना देकर एक दिखावटी कार्यवाही हुई।

### अब ऐसे में कैसे अवैध कारोबार बंद होंगे यह सोचने वाली बात होगी...

कोरिया के एस कुमार के संचालित जुआ फड़ पर यदि पहुंच गई पुलिस तो भारी मात्रा में जप्त हो सकता है पैसा...एस कुमार नाम के व्यक्ति का जुआ फड़ लाखों का होता है और कई बार वहां एक ही बार में करोड़ों के दाव जुआड़ी लगाते हैं। बताया जाता है कि यदि सही तरीके से कार्यवाही पुलिस करे तो एक बार में ही कई लाख या करोड़ का जुआ पकड़ा जा सकता है। अब पुलिस कब कार्यवाही कर इस स्तर की बरामदगी करती है यह देखने वाली बात होगी।

### कोयल का अवैध कारोबार भी हो चुका है शुरू

कोयले का अवैध कारोबार भी कोरिया जिले में शुरू हो चुका है। कोयले का कारोबार कहां कहां जिले में व्यापक तौर पर होता है यह बात किसी से छिपी नहीं है। बता दें कि ठंडी से गर्मी तक बरसात के ठीक पहले तक यह कारोबार जोर शोर से चलता है और इसमें सबसे बड़ी विशेषता है कि यह ऐसा कारोबार है जहां सभी दल के लोग आपसी द्वेष भूलकर एकजुट होकर काम करते हैं।

### मनेन्द्रगढ़ में कौन है लाला व अजीत जिनके द्वारा संचालित होता है जुआ फड़

एमसीबी जिले का मनेंद्रगढ़ में भी बड़े पैमाने पर अंतर्राज्यीय जुआ फड़ संचालित हो रहा है यहां पर भी करोड़ों का दाव प्रतिदिन लगता है, यहां पर लाला व अजीत नाम के व्यक्ति द्वारा इस फड़ को संचालित किया जाता है यहां पर गिने-चुने लोग ही आते हैं पर यहां पर दांव करोड़ का लगता है। यहां पर भी मनेंद्रगढ़ थाने के संरक्षण में यह जूआ फड़ संचालित होता है, जिसका हिस्सा उन्हें भी जाता है ऐसा आरोप है सूत्रों का दावा है,मनेंद्रगढ़ में लाला व अजीत नाम के जुआ फड़ के संचालक को लेकर काफी प्रचलित है। शहर का हर व्यक्ति जानता है कि कहां पर बैठकर बंद कमरे में करोड़ों का दाव लगता है बस कोई नहीं जानता है तो वह है मनेंद्रगढ़ की पुलिस?

**संक्षिप्त खबर**

## मनु भाकर को मिलेगा खेल रत्न

**नई दिल्ली,24 दिसम्बर 2024।** पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के लिए शूटिंग में युवा मनु भाकर ने दो ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रच दिया था। तब उन्होंने पहल पदक 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट और दूसरा पदक 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ जीता। वह एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला प्लेयर बनीं। भाकर की इस साल ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार के लिए उपेक्षा किए जाने की खबरों के बीच खेल मंत्रालय के एक शीर्ष सूत्र ने कहा है कि अभी नाम तय नहीं हुए हैं और एक हफ्ते में पुरस्कारों का खुलासा होने पर उसका नाम लिस्ट में होगा। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा कि अभी आखिरी लिस्ट तय नहीं हुई है। खेलमंत्री मनसुख मांडविया एक या दो दिन में इस पर फैसला लेंगे और फाइनल लिस्ट में मनु का नाम होने की पूरी संभावना है।

# भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया चौथा मुकाबला कल

### » बदले हुए समय पर शुरू होगा चौथा टेस्ट

**मेलबर्न, 24 दिसम्बर 2024।** भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला अब कुछ ही घंटे की दूरी पर है। ये मैच 26 दिसंबर को मेलबर्न में खेला जाएगा। बॉक्सिंग डे के नाम से पूरी दुनिया में मशहूर ये मुकाबला काफी ज्यादा अहम होगा। इस बीच खास बात ये है कि सीरीज का ये मैच भी बदले हुए समय पर शुरू होगा। यानी अगर आपने अभी से वक्त को नोट नहीं किया तो इस बात की पूरी संभावना है कि ये मैच आपसे छूट जाएगा। इस मैच को लाइव देखने की पहली शर्त यही है कि सुबह सुबह बहुत जल्दी आपको उठना पड़ेगा।

### सुबह जल्दी उठकर देखना पड़ेगा भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट

टीम इंडिया जब भी ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाती है तो सबसे बड़ी टेंशन यही होती है कि सुबह जल्दी उठकर भारत में मैच देखना पड़ता है। हालांकि सीरीज का दूसरा मैच जो डे नाइट था और पिंक बॉल से खेला गया था, उसमें राहत की बात थी, क्योंकि ये मैच दिन में सुबह साढ़े नौ बजे से खेला गया था। अब जबकि सीरीज के आखिरी दो मैच बचे हैं तो आपकी असली परीक्षा होगी कि आप क्रिकेट और टीम इंडिया के कितने बड़े फैन हैं। यही वो दो मुकाबले हैं, जो सुबह बहुत जल्दी शुरू होंगे। तो चलिए जरा इस अगले मैच की टाइमिंग आप नोट कर लीजिए।

### मेलबर्न टेस्ट में सुबह साढ़े चार बजे टॉस,पांच बजे से मुकाबला शुरू

मेलबर्न में होने वाले भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया चौथे टेस्ट में भारतीय समय अनुसार सुबह साढ़े चार बजे टॉस होगा। जी हां, सुबह साढ़े चार बजे ही आपको उठना पड़ेगा। इसके आधे घंटे बाद यानी पांच बजे से मुकाबला शुरू हो जाएगा। टॉस पहले ही दिन होगा, इसके बाद अगले दिन से टॉस का कोई मामला होता नहीं है, इसलिए सीधे पांच बजे से मैच शुरू हो जाएगा। मैच का पहला सेशन 5 बजे से शुरू होकर सात बजे तक चलेगा। सात बजे से सात बजकर 40 मिनट तक ब्रेक रहेगा। इसके बाद दूसरा सेशन सात बजकर 40 मिनट पर शुरू होगा, जो 9 बजकर 40 मिनट तक चलेगा। दिन का आखिरी सेशन सुबह 10 बजे से शुरू होगा, जो 12 बजे पूरा होगा। यानी भारत में जब दिन का 12 बजेगा, तब तक दिन का खेल खत्म हो चुका होगा।

### अगर रुकावट नहीं आई तो 12 बजे खत्म हो जाएगा दिन का खेल

ये तो वो टाइम है, जिसका ऐलान किया गया है। लेकिन अगर कहीं बीच में किसी दिन बारिश आती है तो समय बदला भी जा सकता है। यानी हो सकता है कि सुबह और भी जल्दी मुकाबला शुरू हो जाए और 12 बजे के बाद भी जारी रहे। हालांकि पिछले ही मैच में बारिश ने मैच का मजा किरकिरा किया था, इसलिए कोई नहीं चाहेगा कि फिर से बारिश खलल डाले। वैसे भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से ये मुकाबला बहुत ज्यादा अहम है और फाइनल की रेस इस मैच के नतीजे से प्रभावित होगी। खैर आप अपनी घड़ी में सुबह का अलार्म लगा दीजिएगा, ताकि समय से उठकर मैच देख सकें, नहीं तो मैच छूटने की पूरी पूरी गारंटी है।

# वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

### » इस खिलाड़ी को बनाया गया कप्तान

**कुआलालंपुर,24 दिसम्बर 2024।** मलेशिया के कुआलालंपुर में खेले जाने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए भारतीय महिला टीम के स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। इसमें कप्तानी की जिम्मेदारी निकी प्रसाद को मिली है। वहीं उपकप्तान सानिका चालके को बनाया गया है। टीम में ज्यादातर उन प्लेयर्स को मौका मिला है, जो भारत के लिए अंडर-19 एशिया कप में शामिल थीं। भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को हराकर अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीता था।

### भारतीय टीम में मौजूद हैं दो विकेटकीपर

अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय टीम में कमलिनी जी और भाविका अहिरे के रूप में दो विकेटकीपर हैं, जबकि तीन स्टैंडबाय खिलाड़ी नंदना एस, इरा जे और अनादि टी को भी टीम में शामिल किया गया है। कमलिनी ने अंडर-19 एशिया कप 2024 में भारतीय टीम के दमदार प्रदर्शन किया था और अपने दम पर पाकिस्तान के खिला मैच जिताया था। वहीं बांग्लादेश के खिलाफ फाइनल में 52 रन बनाने वाली जी त्रिशा को भी जगह मिली है।

### ग्रूप-ए में है भारतीय महिला टीम

अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप 2025 में कुल 16 टीम भाग लेंगी जिन्हें चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत मौजूदा चैंपियन है और उसे मेजबान मलेशिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ ग्रूप ए में रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 19 जनवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ करेगा। उसके बाद वह मलेशिया (21 जनवरी) और श्रीलंका (23 जनवरी) के खिलाफ मैच खेलेगा।

### 2 फरवरी को होगा फाइनल मुकाबला

ग्रूप चरण के मैच 19 से 23 जनवरी के बीच खेले जाएंगे। इनमें हर ग्रू प से टॉप पर रहने वाली तीन टीम 25 से 29 जनवरी के बीच होने वाले सुपर सिक्स में जगह बनाएंगी। सुपर सिक्स में छह-छह टीम के दो ग्रुप होंगे। सुपर सिक्स में हर ग्रूप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी जो 31 जनवरी को खेला जाएगा। फाइनल दो फरवरी को होगा।

### अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय टीम:

निकी प्रसाद (कप्तान), सानिका चालके (उप-कप्तान), जी त्रिशा, कमलिनी जी (विकेटकीपर),भाविका अहिरे (विकेटकीपर), ईश्वरी अवसरे, मिथिला विनोद, जोशिता वीजे, सोनम यादव, पारुनिका सिसौदिया, केसरी द्रिथि, आयुषी शुक्ला, आनंदिता किशोर, एमडी शबनम, वैष्णवी एस। स्टैंडबाय खिलाड़ी- नंदना एस, इरा जे, अनादि टी।

## पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज के स्क्वायॅड का ऐलान

### » इस खिलाड़ी को पहली बार मिली जगह

**निकारागुआ,24 दिसम्बर 2024।** पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज ने अपने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। टीम में युवा और अनुभवी प्लेयर्स को चांस मिला है। टीम का कप्तान क्रेग ब्रेथवेट को बनाया गया है। टीम स्टार स्पिनर गुडाकेश मोती की वापसी हुई है। वह बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू मैदान पर दो टेस्ट मैचों में नहीं खेले थे, क्योंकि उस समय वह ग्लोबल सुपर लीग में हिस्सा ले रहे थे। अब वह नेशनल ड्यूटी पर लौटे हैं।

### आमिर जंगू को मिला मौका

विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में दमदार खेल दिखाया है और अपने खेल से सभी को प्रभावित करने में सफल रहे हैं। चार दिनों वाले घरेलू टूर्नामेंट में उन्होंने पांच मैचों में 63.50 की औसत से दो शतक और एक अर्धशतक के साथ 500 रन बनाए, और त्रिनिदाद और टोबैगो के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। आमिर जंगू ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया था और पहले ही मैच में बेहतरीन शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई थी। इस बात की पूरी संभावना है कि वह टेस्ट में डेब्यू करें।

### शमर जोसेफ सीरीज से हैं बाहर

दूसरी तरफ स्टार तेज गेंदबाज शमर जोसेफ को टेस्ट सीरीज से बाहर रखा गया है। वह चोटिल हैं और उनके पिंडली में दिक्कत है। इसी वजह से वह बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज से भी चूक गए थे। अल्जारी जोसेफ को भी टेस्ट स्क्वाड में नहीं चुना गया है। वेस्टइंडीज की टीम को इन दोनों की कमी खलेगी।

### वेस्टइंडीज के कोच ने आमिर जंगू की तारीफ की

वेस्टइंडीज के मुख्य कोच आंद्रे कोली ने कहा कि स्पिन विभाग को मजबूत करने के लिए गुडाकेश मोती वापस आ गए हैं। जबकि आमिर जंगू ने घरेलू क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में खुद को साबित किया है। इसी वजह से उसका सेलेक्शन हुआ है। जनवरी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए, हमने जो अच्छा किया है उसे आगे बढ़ाने और 2024 से मिली सीख को रिजल्ट में बदलने पर फोकस है।

### पाकिस्तान टेस्ट के लिए वेस्टइंडीज टीम

क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), जोशुआ दा सिल्वा (उप-कप्तान), एलिक अथानाज़े, कीसी कार्टी, जस्टिन ग्रीव्स, केवम हॉज, टेविन इमलाच, आमिर जांगू, मिकाइल लुइस, गुडाकेश मोती, एंडरसन फिलिप, केमर रोच, केविन सिंक्लेयर, जेडेन सील्स , जोमेल वारिकन।

## बेन स्टोक्स 3 महीने रहेंगे मैदान से रहेंगे दूर,ईसीबी ने दिया अपडेट

**नई दिल्ली,24 दिसम्बर 2024।** इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को बाएं हैमस्ट्रिंग में बार-बार होने वाली चोट के कारण कम से कम 3 महीने के लिए सभी क्रिकेट गतिविधियों से बाहर कर दिया गया है।इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पुष्टि की है कि 33 वर्षीय ऑलराउंडर की जनवरी में सर्जरी होगी।वह पिछले महीने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ सीरीज के तीसरे टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे।

स्टोक्स को इस साल अगस्त में द हंड्रेड के एक मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। यह घटना तब हुई जब वह मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के खिलाफ नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए खेल रहे थे।स्टोक्स एक तेज रन दौडने् के बाद दर्द से कराह रहे थे। उन्होंने अपनी बाई हैमस्ट्रिंग को पकड़ लिया था।बता दें कि हाल ही में ईसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी अपनी टीम का ऐलान किया, जिसमें स्टोक्स को जगह नहीं दी थी।

## जैवलिन में 2 ओलंपिक मेडल जीतने वाले इकलौते भारतीय

**नई दिल्ली,24 दिसम्बर 2024।** जैवलिन खेल को अगर भारत में प्रसिद्ध करने का श्रेय अगर किसी खिलाड़ी को जाता है, तो वह सिर्फ नीरज चोपड़ा हैं। उन्होंने दो ओलंपिक मेडल जीतकर जैवलिन को भारत के घर-घर में पहुंचाया। आज जैवलिन ने भारतवासियों के दिलों में एक अलग जगह बनाई है। नीरज ने पेरिस ओलंपिक 2024 में सिल्वर और टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड जीतकर इतिहास रचा था। वह जैवलियन में दो ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय प्लेयर हैं।

### भारतीय सेना में हैं सूबेदार मेजर

नीरज चोपड़ा का जन्म 24 दिसंबर 1997 में हरियाणा के पानीपत जिले में हुआ था। वह आज 27 साल के हो गए हैं और अपना जन्मदिन मना रहे हैं। 27 के होने से पहले ही ट्रैक एंड फील्ड के इस दिग्गज भारतीय एथलीट ने करियर में कई अहम मुकाम को छुआ है। ओलंपिक के अलावा वह एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स मेडल भी जीत चुके हैं। उनके ताज में डायमंड लीग का खिताब भी चमक रहा है। नीरज ने साल 2012 और साल 2014 में कई नेशनल टूर्नामेंट्स जीते और इससे उनके खेल के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें साल 2016 में भारतीय सेना में भर्ती किया गया। वह फिलहाल सूबेदार मेजर के पद पर नियुक्त हैं और अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

### अभिवन बिंद्रा के बाद गोल्ड जीतने वाले दूसरे भारतीय

टोक्यो ओलंपिक 2020 में नीरज चोपड़ा ने गोल्ड मेडल जीता था। वह व्यक्तिगत इवेंट में अभिनव बिंद्रा के बाद गोल्ड जीतने वाले दूसरे भारतीय प्लेयर बने थे। इसके बाद पेरिस ओलंपिक 2024 में भले ही वह सोना नहीं जीत पाए हों, लेकिन देश को चांदी जरूर दिलाई। इस ओलंपिक में पाकिस्तान के अरशद नदीम पहले स्थान पर रहे और नीरज दूसरे। अरशद ने 92.97 मीटर का थ्रो किया था। जबकि नीरज का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.94 है। तब नीरज की मां ने कहा था कि दोनों उसी के बेटे हैं चाहें नीरज गोल्ड जीते या अरशद। वह बहुत खुश हैं।

# आम्रपाली को छोड़ काजल के पीछे दीवाने हुए निरहुआ

### खूब जमाया रंग... धुआं-धुआं हुआ माहौल

भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ जब भी अपनी कोई नई फिल्म या गाना लेकर आते हैं, देखते ही देखते छा जाते हैं। निरहुआ के करोड़ों चाहने वाले हैं, जिनके बीच भोजपुरी सुपरस्टार का एक अलग ही क्रेज है और वह जब भी स्क्रीन पर आम्रपाली दुबे के साथ आते हैं, तब तो माहौल धुआं-धुआं हो जाता है। दिनेश लाल यादव और आम्रपाली दुबे की जोड़ी भोजपुरी सिनेमा की सबसे हिट जोड़ियों में से एक है। इस बीच उनका एक रोमांटिक वीडियो वायरल हो रहा है। लेकिन, दिलचस्प बात तो ये है कि इस वीडियो में निरहुआ अपनी क्वीन आम्रपाली दुबे के साथ नहीं बल्कि काजल राघवानी संग रोमांस करते नजर आ रहे हैं।

### काजल राघवानी संग जमी निरहुआ की जोड़ी

निरहुआ का एक गाना यूट्यूब पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। भोजपुरी म्यूजिक वीडियो में निरहुआ एक नहीं बल्कि दो-दो हसीनाओं संग रोमांस करते नजर आ रहे हैं। म्यूजिक वीडियो में निरहुआ के साथ आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी दोनों ही दिखाई दे रही हैं और यहां जिस गाने की बात हो रही है, उसके बोल हैं- आशिक आवारा। निरहुआ का ये गाना बेहद पुराना है, लेकिन इसका क्रेज आज भी उनके फैंस के बीच कम नहीं हुआ है। भोजपुरी गाने में भोजपुरी स्टार के साथ आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी हैं, जिनके साथ उनकी जोड़ी काफी जम रही है। इस धुआंधार भोजपुरी सॉन्ग को वर्ल्ड वाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी नाम के यूट्यूब चैनल से शेयर किया गया है।

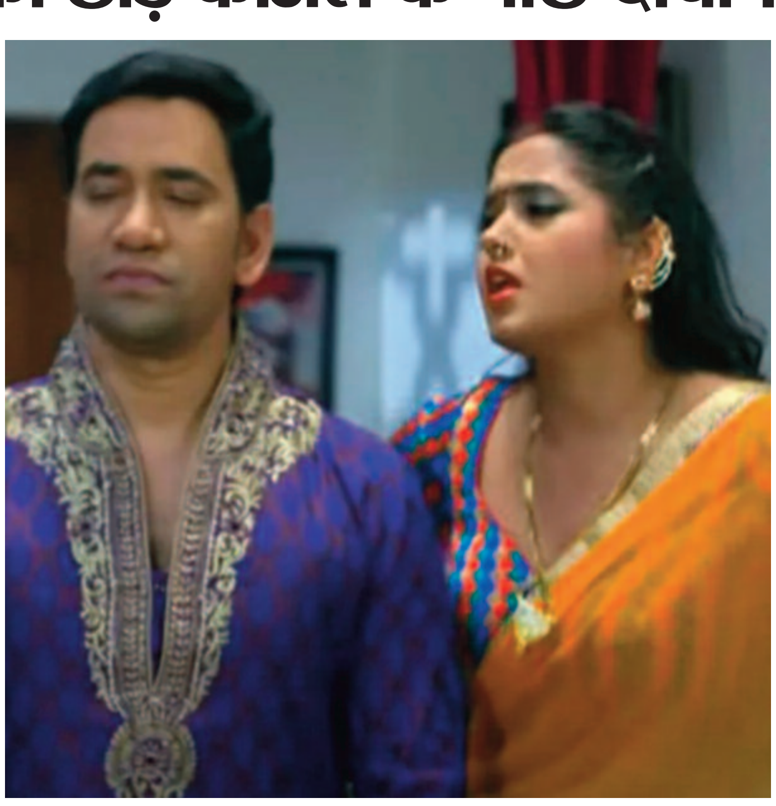

दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ, काजल राघवानी और आम्रपाली दुबे पर फिल्माए गए इस भोजपुरी गाने को अब तक 11 मिलियन से भी ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और व्यूज का सिलसिला अभी थमा नहीं है। ये गाना 8 साल पहले रिलीज किया गया था और उन दिनों इस गाने ने खूब धूम मचाई थी।

## 18 नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले श्याम बेनेगल के अंतिम दर्शन को पहुंचे सितारे

### नम आंखों से नसीरुद्दीन शाह ने दी विदाई

भारतीय समानांतर सिनेमा आंदोलन के पितामह कहे जाने वाले श्याम बेनेगल अब इस दुनिया में नहीं रहे। 23 दिसंबर को 90 वर्ष की उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। श्याम बेनेगल के जाने से बॉलीवुड इंडस्ट्री में शोक व्याप्त है। निर्देशक का अंतिम संस्कार 24 दिसंबर को मुंबई के शिवाजी पार्क इलेक्ट्रिक श्मशान घाट में किया जाएगा। उनके अंतिम संस्कार की तैयारी भी जारी है और इसके साथ ही उनके अंतिम दर्शन के लिए बॉलीवुड सितारे पहुंचे। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के लोग भी मौजूद हैं। निर्देशक की बेटियां नीरा और पिया बेनेगल सभी इंतेजाम देख रही हैं। श्याम बेनेगल उम्र संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। लंबे समय से वो किडनी की समस्या से भी जूझ रहे थे।

शबाना आजमी ने मंगलवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म निर्माता के अंतिम संस्कार के बारे में जानकारी साझा की। श्याम बेनेगल के बच्चों नीरा और पिया बेनेगल द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया है कि अंतिम संस्कार दोपहर 2 बजे शिवाजी पार्क इलेक्ट्रिक श्मशान घाट पर शुरू होगा। अब अंतिम संस्कार से पहले के कई वीडियो भी सामने आ गए हैं। सामने आए एक वीडियो में नसीरुद्दीन शाह पार्थिव शरीर को देखते नजर आ रहे हैं। श्याम बेनेगल को अंतिम विदाई देते हुए एक्टर काफी इमोशनल दिख रहे हैं। इस दौरान पास में रजत कपूर, रतना पाठक शाह, कुनाल कपूर जैसे कई दिग्गज सितारे नजर आ रहे हैं। फिल्म इंडस्ट्री से कई हस्तियां उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए पहुंची हैं।

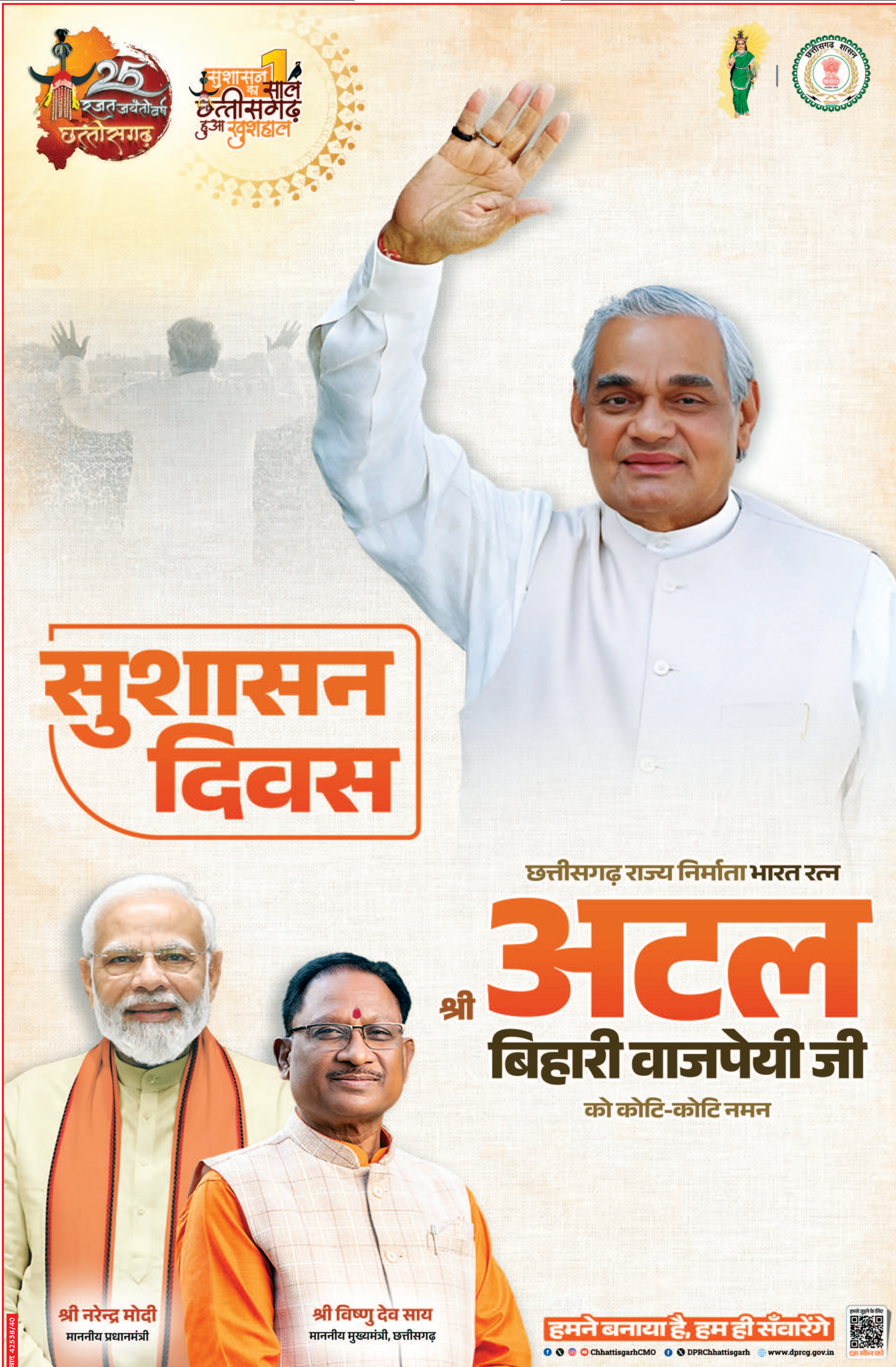


प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)